मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 36
अंक : 312
भोपाल, रविवार
25 जनवरी 2026
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

06 अंडर 19 वर्ल्डकप में भारत की लगातार तीसरी जीत

वैष्णो देवी में बर्फबारी का खूबसूरत नजारा त्रिकुटा... 07

उज्जैन में आनंद उत्सव राहगीरी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मंच से गदा लहराई

युवाओं ने बीच सड़क पर किया गरबा बैलगाड़ी चलाकर जीता जनता का दिल

उज्जैन ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश के उज्जैन में सीएम डॉ मोहन यादव ने 'आनंद उत्सव राहगीरी' का शुभारंभ किया। वहीं उन्होंने बैलगाड़ी चलाकर जनता का दिल जीत लिया। मुख्यमंत्री ने बैलगाड़ी की लगाम थामकर उसे आगे बढ़ाया। जिसका वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। सीएम ने शंख और खड़ताल बजाकर धर्म ध्वजा लहराई और भजन भी गाया। प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव रविवार की सुबह एक अलग ही अंदाज में नजर आए। वे सुबह 'आनंद उत्सव राहगीरी' कार्यक्रम में शामिल हुए और दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से उत्सव का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय संस्कृति, खेल और सामुदायिक मेलजोल को बढ़ावा देना है। उत्सव के दौरान सीएम डॉ मोहन यादव ने अपनी सादगी से वहां मौजूद नागरिकों को अचंभित कर दिया। पारंपरिक परिवेश के बीच मुख्यमंत्री ने स्वयं बैलगाड़ी चलाई। उन्होंने न केवल बैलगाड़ी की सवारी की, बल्कि खुद हाथ में लगाम थामकर उसे आगे बढ़ाया।

धर्म ध्वजा लहराई और भजन भी गाया

वहीं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 'राहगीरी उत्सव' में शामिल होकर जनता का अभिवादन किया। इस दौरान सीएम ने शंख और ख?ताल भी बजाई। साथ ही धर्म ध्वजा लहराया और भजन भी गाया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में राहगीरी उत्सव के पहले पुलिस बीएसएफ और सीआरपीएफ की संयुक्त परेड की सलामी भी ली।

वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के लिए किया जागरूक

सीएम डॉ मोहन यादव ने इस अवसर पर यातायात सुरक्षा को लेकर भी संदेश दिया। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनाकर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया और बच्चों को उपहार वितरित किए। राहगीरी के दौरान विभिन्न मंचों पर उनका स्वागत और सम्मान भी किया गया।

उज्जैन को मिलेगी करोड़ों की सौगात

राहगीरी आनंद उत्सव के बाद मुख्यमंत्री आगर रोड स्थित अटल परिसर (फाजलपुरा) पहुंचेंगे, जहां वे 28 करोड़ 31 लाख की लागत से बने अत्याधुनिक बहुउद्देशीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का लोकार्पण करेंगे। उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा निर्मित इस परिसर में खिलाड़ियों को एक ही छत के नीचे विश्वस्तरीय खेल और मनोरंजन की सुविधाएं मिलेंगी। शहर में यातायात के दबाव को कम करने के लिए मुख्यमंत्री हरि फाटक पुल के चौड़ीकरण (2-लेन से 6-लेन) का भूमिपूजन करेंगे। साथ ही, वे आर.डी. गार्गी मेडिकल कॉलेज की रजत जयंती के अवसर पर नवनिर्मित ऑडिटोरियम एवं कन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन भी करेंगे। साथ ही सीएम रत्नाखेड़ी में पाटीदार समाज के प्रांतीय कार्यालय का भी भूमिपूजन करेंगे। इसके अलावा, ग्राम डेंडिया में महालोक होटल एवं रिसोर्ट का शुभारंभ भी उनके कार्यक्रमों की सूची में शामिल है।

इंदौर में एमपीएससी के खिलाफ आंदोलन शुरू

10 सूत्री मांगों को लेकर ठंड में डटे उम्मीदवार, हाईकोर्ट से मंजूरी के बाद धरना

इंदौर। इंदौर में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के सामने अभ्यर्थियों ने एक बार फिर शनिवार देर रात से आंदोलन शुरू कर दिया है। कोर्ट की अनुमति मिलने के बाद नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन के नेतृत्व में आयोग कार्यालय के बाहर धरना दिया जा रहा है। 10 सूत्री मांगों को लेकर शुरू हुआ यह आंदोलन अगले चार दिन तक जारी रहेगा। धरने में कड़ाके की ठंड के बावजूद बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पहुंचे हैं, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं। अभ्यर्थियों ने आयोग परिसर के बाहर ही बिस्तर बिछा लिए हैं। अलाव जलाकर रात वहीं बिताई जा रही है। इस आंदोलन को अभ्यर्थियों ने 'न्याय यात्रा 2.0' नाम दिया है। दिसंबर 2024 में भी सैकड़ों पीएससी अभ्यर्थियों ने इसी तरह का आंदोलन किया था, जो करीब एक सप्ताह तक चला था, तब जिला प्रशासन ने कई मांगें मानने का आश्वासन देकर धरना समाप्त कराया था, लेकिन अभ्यर्थियों का आरोप है कि उन वादों में से अधिकांश आज तक पूरे नहीं हुए।

एनईवायय के संयोजक राधे जाट ने कहा कि एमपीपीएससी की परीक्षाओं को लेकर एनईवायय की न्याय यात्रा 2.0 को हाईकोर्ट इंदौर से मंजूरी मिल गई है। कोचिंग संस्थान, लाइब्रेरी और अन्य स्टूडेंट शांति पूर्वक आंदोलन में शामिल होंगे। हमें कोर्ट से शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करने की अनुमति मिली है, इसलिए हम पूरी शांति से यहां धरना देंगे।

गणतंत्र दिवस पर पुलिस को सम्मान

3 सीनियर आईपीएस अधिकारियों को मिलेगा विशिष्ट सेवा मेडल

17 पुलिसकर्मी वीरता पदक से सम्मानित

भोपाल ■ अमृत दर्शन

गणतंत्र दिवस के मौके पर देशभर के पुलिस, फायर सर्विस, होमगार्ड, सिविल डिफेंस और करेक्शनल सर्विस से जुड़े 982 पुलिसकर्मियों को विशिष्ट सेवा मेडल और वीरता पदक से सम्मानित किया जाएगा। मध्यप्रदेश के 3 सीनियर आईपीएस अधिकारी और एक इंस्पेक्टर को विशिष्ट सेवा मेडल दिया जाएगा। वहीं 17 पुलिसकर्मी वीरता पदक से सम्मानित किए जाएंगे। मध्यप्रदेश में इंदौर कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, नर्मदापुरम आईजी मिथलेश कुमार शुक्ला और डीआईजी अवधेश कुमार गोस्वामी को विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जाएगा। विशिष्ट सेवा मेडल की लिस्ट में इंस्पेक्टर शिवकुमार पटेल का नाम भी शामिल है।

मध्यप्रदेश की एक महिला आईजी और तीन एसपी समेत 17 पुलिसकर्मियों को वीरता पदक (गैलेंट्री अवॉर्ड) से सम्मानित किया जाएगा। वीरता पदक (गैलेंट्री मेडल) उन कर्मियों को प्रदान किए जाते हैं, जिन्होंने जीवन और संपत्ति की रक्षा, अपराध को रोकने अथवा अपराधियों की गिरफ्तारी के दौरान असाधारण साहस और अद्वितीय वीरता का प्रदर्शन किया हो। बता दें, गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर देशभर के पुलिस, फायर सर्विस, होमगार्ड, सिविल डिफेंस और करेक्शनल सर्विस से जुड़े 982 कर्मियों को वीरता और सेवा पदकों से सम्मानित किया जाएगा है। इस सूची में मध्यप्रदेश के कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और कर्मी भी शामिल हैं, जिससे प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है।

इन्हें मिलेंगे मेडल : पुलिस महानिरीक्षक कृष्णावेनी देशावतु, आईजी कृष्णावेनी देशावतु, एसपी (खंडवा) मनोज कुमार राय, एसपी गितेश कुमार गर्ग (वर्तमान-एआईजी और पुलिस महानिरीक्षक, भोपाल (ग्रामीण) जोन, पीएचक्यू, भोपाल में पदस्थ), एसपी दुर्गेश कुमार राठौड़ (वर्तमान-पुलिस अधीक्षक- विशेष पुलिस स्थापना लोकायुक्त संगठन मप्र), आईपीएस गितेश कुमार गर्ग और मनोज कुमार राय, इंस्पेक्टर (एआरएमआर) प्रवीण सिंह, इंस्पेक्टर (एआरएमआर) राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, इंस्पेक्टर (एआरएमआर) निधि श्रीवास्तव, डीएसपी संजय सिंह ठाकुर, इंस्पेक्टर (एआरएमआर) शैफाली टाकलकर, हेड कांस्टेबल श्रीराम मिश्रा, कांस्टेबल सुशील कुमार चौबे, एसआई प्रेम किशोर व्यास, एसआई उमराव प्रसाद जाटव, एएसआई महेंद्र सिंह नेगी, एएसआई संतोष मेहरा, कांस्टेबल रवीन्द्र मिश्रा, इंस्पेक्टर (एआरएमआर) राजू गुराने।

शंकराचार्य बोले- कितने भी जुल्म कर लो, पीछे नहीं हटूंगा

प्रयागराज। प्रयागराज में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन के बीच 7 दिनों से विवाद जारी है। शिविर में युवकों के हंगामे पर अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- हमारे ऊपर आक्रमण इसलिए किया गया है, क्योंकि हम गो-रक्षा की बात कर रहे हैं। हम इनकी (भाजपा) आंख की किरकिरी बन गए हैं, कितना भी परेशान करें, मैं पीछे नहीं हटूंगा। जितना हमारे ऊपर जुल्म होगा, उतनी ही मजबूती से कदम उठाऊंगा।

अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन के बीच विवाद जारी

मन की बात कार्यक्रम में बोले प्रधानमंत्री मोदी

मतदाता ही लोकतंत्र की आत्मा, ये देश के भाग्य को बदलने की क्षमता रखते हैं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 130वें एपिसोड में राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुभकामना देते हुए लोगों से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, पहली बार मतदाता बनने वालों का लोकतंत्र में इसलिए भरपूर स्वागत होना चाहिए क्योंकि उनके पास देश के भाग्य को बदलने की क्षमता है। मतदाता ही लोकतंत्र की आत्मा होता है। पीएम मोदी साल 2026 में पहली बार मन की बात की और आने वाले गणतंत्र दिवस की शुभकामना भी दी। मन की बात के 130वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, साल 2026 का यह पहला मन की बात है, कल 26 जनवरी को हम सभी गणतंत्र दिवस का पर्व मनाएंगे, इसी दिन हमारा संविधान लागू हुआ था। 26 जनवरी का ये दिन हमें अपने संविधान निर्माताओं को नमन करने का अवसर देता है।

मतदाता ही लोकतंत्र की आत्मा

मतदाता दिवस की शुभकामना देते हुए पीएम मोदी ने मन की बात में कहा, आज मतदाता दिवस है और मतदाता ही लोकतंत्र की आत्मा होता है। जैसे हम जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हैं और उसे सेलिब्रेट करते हैं, ठीक वैसे ही जब भी कोई युवा पहली बार मतदाता बने तो पूरा मोहल्ला, गांव या फिर शहर एकजुट होकर उसका अभिनंदन करे और मिठाइयां बांटी जाएं, इससे लोगों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

अंतर्मना उवाच

बोलना एक कला है.. तो मौन रहना सबसे बड़ी कला है..!

बोलना सबको आता है, *जैसे -*
किसी की जुबान बोलती है,
किसी की नीयत बोलती है,
किसी का समय बोलता है,
किसी का दबदबा बोलता है,
किसी का पैसा बोलता है,
और जिन्दगी के अंत में परमात्मा के दरबार और आदमी के दिलों दिमाग में वाणी व्यवहार और हमारा कर्म बोलता है।

इसलिए ***जब कोई चुप हो, तो हम बोलने की बजाय उसे मौन पूर्वक सुनें, बिना घड़ी देखें, बिना शिकायत किये।*** *जब कोई गलती कर दे तो उसे माफ कर दें और कहें चलो फिर कोशिश करना, वैसी गलती न हो। जब कोई हम से बात करना पसंद न कर रहा हो, या नजर अंदाज कर रहा हो तब कहें - मैं यहीं हूं, जब मन करे बात कर लेना। आज हम इस तरह से जीवन जीते हैं तो हम जीते जी अमर हैं और मरने के बाद भी अमर रहेंगे।*

रिश्तों में शब्द नहीं - एहसास बनो, वादे नहीं - उपस्थिति बनो, कोरी सलाह नहीं - सहयोगी भी बनो, सिर्फ समझकर नहीं - समझ भी बनो। ***यह दर्शन किताबों में नहीं, अपनेपन की सांसो में जीता है...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

विशेष संपादकीय | डी पी गोयल

भारत का गौरवशाली 77वां गणतंत्र दिवस

दुनिया में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर आधारित तमाम देश हैं ,लेकिन भारत का गणतंत्र सबसे मजबूत सबसे बड़ा और सबसे पारदर्शी है। पिछले 76 वर्षों में भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार होता रहा है। भारत में निर्वाचित हुई तमाम सरकारें भारतीय लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए पारदर्शी न्याय व्यवस्था और प्रशासनिक सेवाओं को सुदृढ़ करने का प्रयास करती रही हैं। लेकिन एक वृहद देश में संचालित तमाम सरकारी व्यवस्थाओं में सुधार धीरे-धीरे होता है, जो निरंतर तीव्र गति से जारी भी है। केंद्रीय सत्ता लगातार भारत की एकता अखंडता के लिए प्रयासरत रहती है। पिछले वर्ष 22 अप्रैल को जब पाकिस्तान समर्थित और प्रशिक्षित आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में भारतीय पर्यटकों पर कायराना हमला कर भारत की संप्रभुता को चुनौती दी, तो भारतीय सरकार ने उस चुनौती को स्वीकार करते हुए ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से ,जो आतंकवादियों के ठिकानों पर हमले किए और पाकिस्तान में घुसकर आतंकी मॉड्यूल को खत्म किया, यह पूरी दुनिया ने देखा।

भारतीय सेना के तीनों अंगों का दमखम देखकर, जो भारत के दुश्मन है, उनकी अंतरात्मा तक कांपने लगी। जहां तक देश के विकास और प्रगति की बात है ,तो अत्यधिक आधुनिक टेक्नोलॉजी एआई में भारत सबसे बड़ा देश उभर कर सामने आ रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। इसी तरह अगर हम देखें तो हमारे मध्य प्रदेश में भी पिछले साल से लेकर अभी हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के दावोस दौरें तक हम स्वयं आकलन लगा सकते हैं ,कि विश्व की तमाम बड़ी कंपनियों को, तमाम बड़े औद्योगिक घरानों को मध्य प्रदेश में अपनी इकाई स्थापित करने का न्योता मुख्यमंत्री लगातार दे रहे हैं। जिसके सुखद परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने चालू वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में संकल्प लेकर काम करने की योजना बनाई है। मध्य प्रदेश सरकार गरीब किसानों महिलाओं और युवाओं के लिए लगातार कल्याणकारी योजनाएं बना रही है। सामाजिक न्याय की दृष्टि से अगर देखा जाए ,तो संवेदनशील मध्य प्रदेश सरकार निरंतर दवे कुचले, वंचित , गरीब वर्ग को संरक्षण और पोषण देने का काम कर रही है।

पिछले वर्ष से लेकर अभी तक महिलाओं के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ लाडली बहना योजना की राशि भी अब 1500 तक पहुंच गई है ,जो भाजपा के 2023 के चुनावी घोषणा पत्र में अंकित 3000 की राशि तक पहुंचने वाली है। प्रधानमंत्री ने जहां एक तरफ लाखों नौकरियों को सुनिश्चित करने की बात की है ,तो वही मध्य प्रदेश के सीएम डॉक्टर मोहन यादव ने छोटे-छोटे लघु उद्योगों के स्थापना हेतु अनुदान के साथ-साथ सहकारिता और आउटसोर्स के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने की बात कही है।

इसके साथ साथ मध्य प्रदेश सरकार भी विभिन्न विभागों में लगातार वैकेंसी निकल रही है। एक स्वस्थ लोकतंत्र का आधार देश और प्रदेश के प्रत्येक नागरिक का सरकार के संचालन में सीधा-सीधा हस्तक्षेप और योगदान को माना जाता है ,इसी दिशा में देश और प्रदेश की सरकार निरंतर आगे बढ़ रहीं है। हमें अटल विश्वास है कि हमारा लोकतंत्र हमेशा मजबूत रहेगा अमर रहेगा।

।।जय हिंद।।

संक्षिप्त समाचार

पंचकूला में ठेकेदार के साथ महिला लापता

पंचकूला। पंचकूला में एक मजदूर की पत्नी ठेकेदार के साथ लापता हो गई है। वह करीब 4 महीने से ठेकेदार के पास काम कर रही थी। महिला के पति की शिकायत पर एमडीसी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल ठेकेदार और महिला का कोई सुराग नहीं लगा है। पंचकूला के भैंसा टिब्बा क्षेत्र में किराए पर रहने वाले एक मजदूर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी पिछले चार माह से मध्यप्रदेश के पन्ना जिले के महेवा गांव निवासी ठेकेदार तुलसी के साथ काम कर रही थी। 20 जनवरी से दोनों लापता हैं। व्यक्ति ने बताया कि उसने अपनी पत्नी और ठेकेदार को रिश्तेदारों, दोस्तों और होटलों में तलाश किया, लेकिन दोनों का कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित परिवार मूल रूप से मध्यप्रदेश के पन्ना जिले का रहने वाला है। वह काम-धंधे की तलाश में पंचकूला आया था और यहां किराए पर रह रहा था। पड़ोसी गांव का ठेकेदार मिलने पर उसने अपनी पत्नी को उसके साथ काम पर लगा दिया था।

दतिया में मोबाइल विवाद के बाद फायरिंग, परिवार को दी जान से मारने की धमकी

दतिया। दतिया के बड़ौनी थाना क्षेत्र के ग्राम घुघसी में शनिवार शाम मोबाइल फोन की खरीद-बिक्री को लेकर चल रहे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। गांव निवासी पर्वत सिंह के बेटे ने आरोपी सूरज रावत को मोबाइल फोन बेचा था। कुछ दिन बाद फोन की डिस्प्ले टूट गई, जिससे दोनों पक्षों में विवाद हुआ। पहले इस बात को आपसी समझौते से शांत कर दिया गया था, लेकिन रंजिश खत्म नहीं हुई। शनिवार शाम आरोपी सूरज रावत अपने साथियों रिंकेश रावत, टुंडे रावत और लोकेन्द्र रावत के साथ पर्वत सिंह के घर पहुंचा। आरोप है कि उन्होंने परिवार के साथ गाली-गलौज की और कट्टे से फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली घर के मुख्य गेट पर लगी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। पर्वत सिंह ने कहा कि अगर गोली गेट से टकराकर नहीं रुकती तो परिवार को गंभीर नुकसान हो सकता था।

ग्वालियर में युवती को शादी का झांसा देकर रेप

ग्वालियर। ग्वालियर में सोशल मीडिया फ्रेंड ने शादी का वादा कर युवती को झांसे में लेकर रेप की वारदात को अंजाम दिया। घटना ग्वालियर थाना क्षेत्र के नूरगंज गुरुद्वारा इलाके की है। इसके बाद दोस्त शादी का झांसा देकर पिछले चार साल से शोषण कर रहा था। अब जब पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया तो आरोपी ने उसे वीडियो वायरल की धमकी दी। शादी से इनकार कर दिया। धोखे का शिकार युवती थाने पहुंची और शिकायत की है। ग्वालियर थाना क्षेत्र के नूरगंज गुरुद्वारे के पास रहने वाली 22 वर्षीय युवती ने शिकायत की है कि पांच साल पहले उसकी मुलाकात सोशल मीडिया पर सीपी कॉलोनी मुरार निवासी सूरज सिंह चौहान पुत्र सोबरन सिंह चौहान से हुई थी। सूरज सिंह मूलत: शिवपुरी के नरवर का रहने वाला है। बातचीत के बाद उनके बीच गहरी दोस्ती हो गई। सूरज ने उसे प्रेम का प्रस्ताव दिया, जिसे उसने स्वीकार कर लिया। चार साल पहले वह एक दिन घर पर अकेली थी तो सूरज उससे मिलने आया और जबरन उसके साथ गलत काम किया। जब युवती ने विरोध किया तो आरोपी ने शादी का वादा किया।

सागर में सागौन तस्करी करते पिकअप जब्त

सागर। सागर जिले की गौरझामर वन रेंज में वन विभाग की टीम ने सागौन की अवैध तस्करी करते हुए एक लोडिंग वाहन (पिकअप) को पकड़ा है। शनिवार रात हुई इस कार्रवाई के दौरान तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग निकले। टीम ने लकड़ी और वाहन को जब्त कर लिया है। वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार, शनिवार रात ग्राम पड़रई के जंगल से अवैध सागौन के लट्ठों का परिवहन किया जा रहा था। सूचना मिली थी कि पिकअप वाहन में लदी यह सागौन की लकड़ी गढ़ाकोटा क्षेत्र में तस्करी के लिए ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर वाहन को पकड़ लिया।

लुटेरी दुल्हन गैंग के 3 साथी राजस्थान से गिरफ्तार

ग्वालियर। ग्वालियर में शादी के नाम पर ठगी करने वाली एक शातिर लुटेरी दुल्हन गैंग का पुलिस ने खुलासा किया है। इस गैंग की मुख्य आरोपी लुटेरी दुल्हन सहित चार लोगों को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया था। इसके बाद पुलिस आरोपियों को सीन रीक्रिएशन के लिए घटना स्थल तक भी लेकर पहुंची थी। शनिवार रात पुलिस को इस मामले में एक और बड़ी सफलता मिली। गैंग के फरार तीन अन्य साथियों को राजस्थान के धौलपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। यह लुटेरी दुल्हन गैंग भोले-भाले लोगों से शादी के नाम पर पैसे वसूलती थी। शादी के कुछ समय बाद ही महिला अपने साथियों के साथ मिलकर फर्जी अपहरण का नाटक रचती और गहने व नकदी लेकर फरार हो जाती थी।

सरकारी जमीन के मामलों में लापरवाही पर कोर्ट नाराज

ग्वालियर। ग्वालियर हाईकोर्ट की एकल पीठ ने शासकीय जमीन से जुड़े मामलों में लापरवाही और अदालत को गुमराह करने वाली जानकारी पेश किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने इस गंभीर मामले में सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रमुख सचिव (राजस्व) द्वारा दिया गया भ्रामक जवाब 'कोर्ट से धोखाधड़ी' की श्रेणी में आता है। हाईकोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य सरकार और मुख्य सचिव पर सरकारी संपत्ति की रक्षा का संवैधानिक दायित्व है, लेकिन प्रकरण में सामने आए तथ्यों से यह प्रतीत होता है कि उच्च पदों पर बैठे अधिकारी संपत्ति के दुरुपयोग को रोकने के बजाय उसे बढ़ावा दे रहे हैं, जो बेहद चिंताजनक और आश्चर्यजनक है। कोर्ट ने प्रमुख सचिव (राजस्व) को अंतिम अवसर देते हुए निर्देश दिए हैं कि वे 28 सितंबर 2016 से लेकर 7 जनवरी 2017 के बाद तक जिन-जिन अधिकारियों की टेबल पर फाइल लंबित रही, उन सभी जिम्मेदार अधिकारियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई करें। साथ ही यह भी स्पष्ट करें कि फाइल को लंबित रखने के पीछे क्या कारण रहे। अब मामले की अगली सुनवाई 28 जनवरी को होगी।

एक करोड़ के मुर्तजिल ने लहराया परचम, उम्र सिर्फ 3 साल

ऊंचाई-70 इंच, लंबाई-15 फीट; इंदौर में MP का पहला हॉर्स शो, 200 घोड़े हुए शामिल

इंदौर ■ निसं

इंदौर में शनिवार को पहली बार दो दिवसीय सेंट्रल इंडिया हॉर्स शो की शुरुआत हुई। इस आयोजन में देश के 7 राज्यों से 200 से अधिक मारवाड़ी और नूकरा नस्ल के घोड़े शामिल हुए हैं। यह न केवल इंदौर बल्कि पूरे मध्यप्रदेश में पहली बार आयोजित हो रहा ऐसा अनोखा हॉर्स शो है। घोड़ों की शान, चाल, बनावट और ट्रेनिंग के आधार पर कई कैटेगरी में प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। पहले दिन मिल्क टीथ, टू टीथ (दो दांत) और मेयर कैटेगरी की स्पर्धाएं हुईं। इंदौर के लिए गौरव की बात यह रही कि टू टीथ कैटेगरी में महू के खूबसूरत मुतर्ज़िल घोड़े ने शानदार प्रदर्शन करते हुए परचम लहराया।

टू टीथ में 35 घोड़ों में सबसे टॉप पर रहा मुर्तज़िल

शनिवार को टू टीथ कैटेगरी में 35 घोड़ों ने भाग लिया। इसमें सारे पैरामीटर्स में मुर्तज़िल सबसे अव्वल रहा। रिंग में कम उम्र में उसकी फुर्ती, खूबसूरती, मजबूती, ऊंचाई-चौड़ाई, डीलडौल को निर्णायक कमेटी खूब सराहा और नंबर दिए। उसने इस कैटेगरी में पहला स्थान पाया।

पंजाब-राजस्थान समेत 7 राज्यों के घोड़े आए: इंदौर के गांधीनगर ग्राउंड पर आयोजित यह हॉर्स शो देवी अहिल्या हॉर्स सोसायटी के तत्वावधान में हो रहा है। इसमें मध्यप्रदेश, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और हरियाणा सहित 7 राज्यों के घोड़े भाग ले रहे हैं। सभी घोड़ों के लिए अस्थायी अस्तबल बनाए गए हैं, जहां उनकी विशेष देखभाल की जा रही है। आयोजन शनिवार सुबह 10 बजे शुरू होकर शाम 7 बजे तक चला। इसके लिए एक छोटा स्टेडियम तैयार किया है, जिसमें दर्शकों के लिए गैलरी और बीच में प्रतियोगिता रिंग बनाई गई है। रिंग में केवल चयनित घोड़े और उनके मालिकों को ही प्रवेश दिया जा रहा है।

पहले दिन प्रतियोगिता में मुतर्ज़िल का दबदबा देखने को मिला। 200 से अधिक घोड़ों के बीच वह अपनी ऊंचाई, खूबसूरती, कम उम्र, संतुलित डाइट, मजबूत डील-डौल, फुर्ती और आकर्षक चाल के कारण प्रतियोगिता का केंद्र बना रहा। उसकी अलग पहचान ने उसे खास बना दिया।

इसी तरह मेयर कॉम्पटीशन में पंजाब की कुदरत ने पहला स्थान पाया। पुरस्कार के रूप में उसके मालिक मो. शाहरुख को 21 हजार रुपए की राशि, सम्मान पत्र और ट्रॉफी दी गई। इसके साथ ही मुर्तज़िल की पीठ पर खूबसूरत लाल सैडल पैड ओढ़ाया गया। इसके साथ ही सिर पर लाल रंग का बैच लगाकर सम्मान किया गया।

आयोजक पवन सिंह चावड़ा ने बताया कि इस दो दिनी शो में देश के 7 राज्यों से 225 से अधिक मारवाड़ी (अलग-अलग रंगों के) और नूकरा (स्टेलियन) नस्ल के घोड़े शामिल हुए हैं। घोड़ों की शान, चाल, बनावट और ट्रेनिंग को लेकर पहले दिन अलग-अलग कैटेगरी की कॉम्पीटिशन हुई।

रविवार को भी दिन भर होंगी। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य भारतीय घुड़सवारी संस्कृति को बढ़ावा देना और पारंपरिक घोड़ा नस्लों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना है। उम्मीद है कि यह हॉर्स शो हर साल होकर इंदौर को अश्व खेलों के मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाएगा।

आगर मालवा जिला अस्पताल से युवक का अपहरण

2 मिनट में युवक को बोलेरो में उठा ले गए बदमाश, पुलिस चौकी से 100 मीटर दूर वारदात

आगर मालवा ■ निसं

आगर-मालवा जिला अस्पताल से शनिवार शाम एक युवक का अपहरण कर लिया गया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। वीडियो में कुछ युवक जबरन एक युवक को बोलेरो वाहन में बैठाकर ले जाते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस की तत्परता से करीब 18 किलोमीटर दूर मदकोटा गांव के पास से अपहृत युवक को सुरक्षित बरामद कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित धीरप सिंह अपने घायल मित्र जितेंद्र का हालचाल जानने जिला अस्पताल पहुंचा था। इसी दौरान कुछ युवकों से उसका विवाद हो गया। विवाद के बाद आरोपियों ने जबरन उसे बोलेरो वाहन में डालकर अगवा कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही जिला पुलिस हरकत में आई और वायरल वीडियो के आधार पर वाहन व अपहृत युवक की तलाश शुरू की।

मदकोटा के पास मिला युवक, मारपीट के निशान: पुलिस ने युवक को मदकोटा के पास से बरामद किया। पीड़ित ने बताया कि अपहरण के बाद आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और बाद में उसे मौके पर छोड़कर फरार हो गए। युवक के शरीर पर चोट के निशान भी पाए गए हैं।

यह घटना जिला अस्पताल परिसर में हुई, जहां पुलिस चौकी महज 100 मीटर की दूरी पर है। लोगों की सूचना पर तैनात पुलिसकर्मी जब तक स्थिति समझ पाते, तब तक बदमाश वारदात को अंजाम देकर फरार हो चुके थे। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने पूरी घटना को दो मिनट से भी कम समय में अंजाम दिया। अस्पताल में मौजूद कर्मचारी और सुरक्षा गार्ड भी घटना के दौरान मूकदर्शक बने रहे।

कलेक्टर ने साइकिल चलाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दमोह में टीम उम्मीद के साथ स्वच्छता अभियान में हुए शामिल

दमोह ■ निसं

दमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने रविवार सुबह स्वच्छता अभियान के तहत साइकिल चलाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस अभियान में टीम उम्मीद के सदस्य, नगर पालिका के ब्रांड एंबेसडर हरीश पटेल, डॉक्टर, शिक्षा विभाग के अधिकारी और आम नागरिक शामिल हुए।

साइकिल रैली की शुरुआत जटाशंकर से हुई और यह शहर के करीब आधा दर्जन मार्गों से गुजरी। रैली के बाद स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। टीम उम्मीद पिछले 11 सप्ताह से हर रविवार को स्वच्छता अभियान चला रही है।

पिछले अभियानों में टीम ने सर्किट हाउस के चारों ओर फैले कचरे को साफ किया था, जिसमें कलेक्टर की भी सहभागिता रही थी। इस रविवार, टीम के सदस्यों ने कलेक्टर के साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए साइकिल चलाने का विचार किया। सभी प्रतिभागी जटाशंकर चौराहे पर एकत्रित हुए।

साइकिल चलाते हुए पूरे शहर में स्वच्छता संबंधी नारे लगाए गए और लोगों को स्वच्छता बनाए रखने तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कलेक्टर ने साइकिल चलाकर यह संदेश भी दिया कि साइकिलिंग से शरीर स्वस्थ रहता है और पर्यावरण का संरक्षण भी होता है। यह रैली जटाशंकर तिराहा से कीर्ति स्तंभ, घंटाघर, एवरेस्ट लाज, बस स्टैंड, किल्लाई नाका होते हुए स्टेडियम पहुंची।

स्टेडियम के मुख्य द्वार के पास स्वच्छता अभियान चलाया गया, जहाँ पड़े कचरे को एकत्रित कर उसका निपटान किया गया। इसके बाद एलोरा कॉलोनी में साइकिल रैली का समापन हुआ।

मंडला में नर्मदा जयंती पर श्रद्धालुओं का जमावड़ा

मंडला। मंडला जिले में मां नर्मदा जयंती का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। सुबह से ही जिलेभर के नर्मदा घाटों पर हजारों श्रद्धालु पूजन-अर्चन के लिए पहुंचे। माहिष्मती घाट और संगम घाट सहित सभी प्रमुख नर्मदा तटों पर भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा और जिला पंचायत सीईओ शाश्वत सिंह मीणा सहित कई जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने माहिष्मती घाट पर मां नर्मदा का विधिवत पूजन किया। प्रशासन का अनुमान है कि दिनभर में दो लाख से अधिक श्रद्धालु घाटों पर पहुंचेंगे।

जंगल में भटकती मिली मानसिक विक्षिप्त महिला

शाहपुर पुलिस ने सोशल मीडिया के सहारे परिजनों ढूंढकर मिलवाया

बैतूल ■ निसं

बैतूल शाहपुर पुलिस ने इंसानियत का परिचय देते हुए एक मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को उसके परिजनों से सुरक्षित मिलाया। महिला पिछले दो दिनों से जंगल में भटक रही थी। शनिवार को शाहपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने उसे खोजकर परिवार के सुपुर्द किया।

जानकारी के अनुसार महिला केसला क्षेत्र में मजदूरी के लिए गई थी, जहां उसकी मानसिक हालत बिगड़ गई और वह रास्ता भटककर जंगल में पहुंच गई। 24 जनवरी की दोपहर करीब तीन बजे वह भौंरा के जंगल इलाके में घूमती हुई मिली। सूचना मिलने पर प्रधान आरक्षक कुंवरलाल नागले मौके पर पहुंचे। महिला अपनी पहचान और पता बताने की स्थिति में नहीं थी।

महिला की पहचान की जा रही: मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी देवकरण डेहरिया ने महिला की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करवाईं, ताकि उसकी पहचान हो सके। कुछ ही समय में जानकारी मिली कि महिला भौंरा चौकी के पास के एक गांव की रहने वाली है। इसके बाद पुलिस ने उसके परिजनों से संपर्क किया।

डायल 112 की टीम, जिसमें महिला आरक्षक सविता, मनीषा और आरक्षक जय किशन शामिल थे, महिला को सुरक्षित उसके परिवार तक लेकर पहुंची। बेटी को सही-सलामत देखकर परिजन भावुक हो गए और पुलिस का धन्यवाद किया।

राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रम में सीहोर की रचना दीदी शामिल होंगी

लोन लेकर शुरू की दुकान, बनी सफलता की मिसाल, गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां जारी

सीहोर ■ निसं

सीहोर में 26 जनवरी को जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह पुलिस परेड ग्राउंड पर आयोजित किया जाएगा। इसके लिए प्रशासन ने तैयारियां जायजा लिया है। वहीं सीहोर जिले की आष्टा तहसील के ग्राम ग्वाली निवासी रचना दीदी इस बार राष्ट्रीय कार्यक्रम में शामिल होने दिल्ली जाएंगी।

उनकी कहानी आज आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन चुकी है। स्वयं सहायता समूह से जुड़ने से पहले रचना दीदी एक साधारण गृहिणी थीं। वे घर संभालती थीं, जबकि उनके पति बाबुलाल सिलाई का काम कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। सीमित आय और खेती से कम आमदनी के कारण परिवार की जरूरतें पूरी करना चुनौतीपूर्ण था। ऐसे में दोनों को महसूस हुआ कि बेहतर भविष्य के लिए कुछ नया करना जरूरी है।

लोन लेकर शुरू की दुकान: रचना दीदी के जीवन में बड़ा बदलाव 1 दिसंबर 2019 को आया, जब उन्होंने ग्राम आजीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ने का फैसला किया। समूह से जुड़कर उन्होंने नियमित बचत की आदत डाली और आर्थिक अनुशासन सीखा। शुरुआत में उन्हें 1,000 रुपये की चक्रीय राशि के रूप में ऋण मिला, जिससे घरेलू जरूरतें पूरी की गईं। इसके बाद [illegible] और बैंक ऋण के माध्यम से चार बार में कुल 1,42,200 रुपये का ऋण लेकर उन्होंने गांव में जनरल स्टोर की शुरुआत की।

जनरल स्टोर खुलने के बाद उनकी आय में लगातार वृद्धि हुई। इसके साथ ही वे लखपति दीदी योजना के तहत सीआरपी के रूप में भी कार्य करने लगीं। वर्तमान में जनरल स्टोर, खेती और सीआरपी कार्य से उनकी वार्षिक शुद्ध आय 1,27,300 रुपये है, जो डिजिटल आजीविका रजिस्टर में दर्ज है। पहले जहां परिवार की मासिक आय करीब 9,500 रुपये थी, वह अब बढ़कर लगभग 22,000 रुपये प्रतिमाह हो गई है।

आज रचना दीदी एक सफल महिला उद्यमी और सामुदायिक नेतृत्वकर्ता के रूप में पहचान बना चुकी हैं। उनकी इस उपलब्धि के लिए शासन द्वारा उन्हें 26 जनवरी को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

सीधी में ऑटो पलटा, महिला गंभीर घायल

खराब सड़क और गड्ढों के कारण हादसा, चालक फरार

सीधी ■ निसं

सीधी जिले के ग्राम सोनवर्षा के पास रविवार सुबह एक तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में ऑटो में सवार एकमात्र यात्री बिट्टन रावत, निवासी बारी, गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना सुबह करीब 10:30 बजे की है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ऑटो वाहन सोनवर्षा से सीधी की ओर जा रहा था। सड़क की हालत बेहद खराब थी और उस पर बड़े-बड़े गड्ढे मौजूद थे। तेज गति में चल रहा ऑटो अचानक एक गड्ढे में चला गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और ऑटो पलट गया। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया।

राहगीर पुष्पेंद्र बंसल ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि ऑटो की रफ्तार काफी तेज थी और सड़क पर गड्ढा होने के कारण यह हादसा हुआ। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायल महिला को ऑटो से बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल सीधी पहुंचाया।

अस्पताल में डॉक्टरों ने महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल उपचार शुरू किया। डॉक्टरों के मुताबिक, घायल महिला का एक पैर फ्रैक्चर हो गया है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। महिला का इलाज जिला अस्पताल में जारी है, जहां स्वास्थ्यकर्मी लगातार निगरानी कर रहे हैं।

वहीं, अस्पताल चौकी प्रभारी देवराज सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल एक महिला को अस्पताल लाया गया था।

मंडला में नर्मदा जयंती पर श्रद्धालुओं का जमावड़ा

नर्मदा के घाटों पर दो लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचने का अनुमान

मंडला ■ निसं

मंडला जिले में मां नर्मदा जयंती का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। सुबह से ही जिलेभर के नर्मदा घाटों पर हजारों श्रद्धालु पूजन-अर्चन के लिए पहुंचे। माहिष्मती घाट और संगम घाट सहित सभी प्रमुख नर्मदा तटों पर भक्तों की भारी भीड़ देखी गई।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा और जिला पंचायत सीईओ शाश्वत सिंह मीणा सहित कई जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने माहिष्मती घाट पर मां नर्मदा का विधिवत पूजन किया। प्रशासन का अनुमान है कि दिनभर में दो लाख से अधिक श्रद्धालु घाटों पर पहुंचेंगे।

पुलिस, होमगार्ड और प्रशासनिक अमला तैनात: श्रद्धालुओं की भारी संख्या को देखते हुए पुलिस, होमगार्ड और प्रशासनिक अमला पूरी तरह मुस्तैद है। सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

जिला मुख्यालय के अलावा ग्रामीण अंचलों में भी नर्मदा पूजन, आरती, हवन और भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। शाम को घाटों पर महाआरती और दीपदान होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है।

श्रद्धालुओं द्वारा मां नर्मदा को चुनरी भी अर्पित की जा रही है। नर्मदा जयंती के उपलक्ष्य में रपटा घाट पर शाम 6:30 बजे से निर्झरणी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

NH-30 की ओर डायवर्ट किया गया: श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के मद्देनजर 25 जनवरी को सुबह 7 बजे से रात 12 बजे तक विशेष यातायात व्यवस्था लागू की गई है। पौड़ी रेलवे क्रॉसिंग, आंगन तिराहा, कारीकोन तिराहा और बिंझिया तिराहा सहित प्रमुख मार्गों पर वाहनों को एनएच-30 की ओर डायवर्ट किया गया है।

दोपहर 12 बजे के बाद नेहरू स्मारक चौक से महिष्मती घाट की ओर चारपहिया और तीनपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

संगम घाट के लिए हेलीपैड मैदान में पार्किंग की सुविधा उपलब्ध: महिष्मती घाट आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पुलिस लाइन खो-खो ग्राउंड, वन विभाग कार्यालय, योजना भवन, सर्किट हाउस, होमगार्ड ग्राउंड और एसडीएम कार्यालय के सामने पार्किंग की व्यवस्था की गई है। संगम घाट के लिए हेलीपैड मैदान में पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं से यातायात और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

हमीदिया रोड और दवा बाजार में किया गया गोविंद गोयल सहित पूरी पैनल के प्रत्याशियों का भव्य स्वागत

चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के त्रिवार्षिक चुनाव में उन्नति पैनल का पलड़ा भारी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के त्रिवार्षिक चुनाव में लगातार उन्नति पैनल का पलड़ा भारी होते हुए दिखाई दे रहा है। उन्नति पैनल के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी गोविंद गोयल और उनकी पैनल का जगह-जगह जनसंपर्क के दौरान व्यापारियों द्वारा भव्य स्वागत किया जा रहा है। इसी कड़ी में उन्नति पैनल के प्रत्याशियों ने हमीदिया रोड स्थित माता मंदिर में दर्शन करने के बाद जनसंपर्क प्रारंभ किया। हमीदिया रोड और दवा बाजार में व्यापारियों ने उत्साह के साथ संपूर्ण पैनल का अभिवादन और स्वागत किया। अध्यक्ष पद प्रत्याशी गोविंद गोयल ने व्यापारियों से चर्चा के दौरान व्यापार में हो रही कठिनाइयों, हमीदिया रोड पर विशेष कर ट्रैफिक की समस्या के साथ विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा- हम व्यापारी पहले परिवार हैं और सब मिलजुल कर कार्य करेंगे।

दवा बाजार की व्यवस्था होगी दुरुस्त: उन्नति पैनल का दवा बाजार एसोसिएशन ने भव्य स्वागत किया और उन्होंने गोविंद गोयल सहित पूरी उन्नति पैनल के प्रत्याशियों को जिताने का भरोसा दिलाते हुए, दवा बाजार के व्यवसायियों की उन्नति और प्रगति के विषय में चर्चा की। वही देखा गया है की दवा बाजार में पार्किंग की व्यवस्था भी अव्यवस्थित है और दूसरी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का आश्वासन अध्यक्ष पद के प्रत्याशी गोविंद गोयल ने दवा बाजार एसोसिएशन को दिया।

व्यापारियों ने जगह-जगह ढोल ढमाकों के साथ किया उन्नति पैनल का स्वागत: हमीदिया रोड पर व्यापारियों ने गोविंद गोयल सहित पूरी उन्नति पैनल का ढोल ढमाकों के साथ पुष्प वर्षा और माला पहनाकर स्वागत किया। वही पूरी पैनल के साथ व्यापारी देशभक्ति के गीतों पर झूम उठे।

जनसंपर्क के अवसर पर उन्नति पैनल से चुनाव लड़ रहे उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी द्वय आदित्य जैन मनिया, अमित गोयल, अरविंद जैन सुपारी, महामंत्री पद के प्रत्याशी विनोद जैन एमपीटी, मंत्री पद के लिए अजय देवनानी, संजीव जैन गेहूं, सुनील जैनाविन, कोषाध्यक्ष पद के लिए प्रदीप सेवानी, सह कोषाध्यक्ष पद के लिए हेमंत अग्रवाल, अतिरिक कोषाध्यक्ष अमित कुमार बिंदल, कार्यकारिणी सदस्य के लिए वात्सायन जैन, सोनू भाभा, अभिषेक जैन, आदित्य, महेश सिंघई, अखिलेश मित्तल, अनिल मिश्रा, अमित जैन सी एस, भारत गुप्ता, दीपक दुबे, जवाहर कोटवानी, कमल भंडारी, कृष्ण गोपाल मुखारिया, मनोज कुमार साहू, राजीव साहू, डब्बू राजेश गुप्ता, मधुरम, सचिन जैन, स्मित जैन, बी आर सुलभ मित्तल, तेजेंद्र चावला उपस्थित थे।

एआईएस मानक पूरे नहीं करने वाली बसें होंगी ब्लैकलिस्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में परिवहन विभाग की सख्ती सामने आई है। एआईएस मानक पूरे नहीं करने वाली बसें ब्लैकलिस्टेड होंगी। इसी कड़ी में प्रदेश में 153 स्लीपर बस ऑपरेटर्स को नोटिस जारी किया है। जानकारी के अनुसार बस ऑपरेटर्स को एक हफ्ते की मोहलत दी गई है। बाहर गई बसों को लौटाने का समय दिया गया है।लौटने के बाद आरटीओ दफ्तर में फायर सेफ्टी ऑडिट होगा। स्लीपर बसें हाई-रिस्क कैटेगरी में घोषित है। स्लीपर बसों में एक ही फ्लोर पर ज्यादा इलेक्ट्रिकल लोड का खतरा बना रहता है। चार्जिंग पॉइंट, एसी, टीवी और बैटरी से शॉर्ट सर्किट का जोखिम बढ़ता है। ऑडिट में ऑटोमेटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड मानकों की जांच होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया भोपाल में

भोपाल में 27 जनवरी को करेंगे खेलो मध्यप्रदेश यूथ गेम्स का शुभारंभ

राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह के भव्य आयोजन में गूंजेंगे कैलाश खेर के सुर

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय श्रम एवं रोजगार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया खेलो एमपी यूथ गेम्स के राज्य स्तरीय समारोह का शुभारंभ करेंगे। राजधानी के तात्या टोपे स्टेडियम में 27 जनवरी 2026, सायं 6:30 बजे यह भव्य आयोजन प्रदेश के खेल इतिहास में यादगार समारोह के रूप में दर्ज होने जा रहा है। खेल, युवा ऊर्जा, संस्कृति और संगीत के अद्भुत संगम के रूप में यह शुभारंभ समारोह प्रदेश के लिए खेल उत्सव का अवसर बनेगा। समारोह में मुख्य आकर्षण सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक श्री कैलाश खेर की प्रस्तुति होगी।

संगीत, संस्कृति और खेलों का भव्य संगम: सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि खेलो एमपी यूथ गेम्स के राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह को विशेष रूप से भव्य, आकर्षक और यादगार बनाया गया है। उन्होंने बताया कि समारोह का मुख्य आकर्षण सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक कैलाश खेर की लाइव भव्य संगीतमय प्रस्तुति होगी। उनकी सशक्त आवाज़, लोक-संगीत की आत्मा और ऊर्जा से भरपूर गायन से पूरा तात्या टोपे स्टेडियम संगीतमय उल्लास और रोमांच से गूंज उठेगा।

इसके साथ ही 'इंडियाज गोट टेलेंट' फेम डांस ट्रूप द्वारा प्रस्तुत रोमांचक एरोबिक डांस दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेगा। समारोह में भव्य मार्च-पास्ट के माध्यम से खिलाड़ियों का अनुशासन, एकजुटता और खेल भावना का प्रभावशाली प्रदर्शन किया जाएगा। खेलों की भावना, संघर्ष, अनुशासन और विजय को दर्शाती विशेष नृत्य-नाटिका के माध्यम से युवाओं में खेलों के प्रति प्रेरणा, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय गौरव का भाव जागृत किया जाएगा।

28 खेलों के खिलाड़ी करेंगे प्रतिभा का प्रदर्शन: राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के शुभारंभ के साथ ही प्रदेशभर से चयनित 28 खेलों के खिलाड़ी अपनी खेल क्षमता, अनुशासन और समर्पण का प्रदर्शन करेंगे। उल्लेखनीय है कि खेलो एमपी यूथ गेम्स की ब्लॉक, जिला एवं संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएँ सफलतापूर्वक संपन्न हो चुकी हैं, जिनमें ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों तक से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की सहभागिता देखने को मिली। राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह उसी सफलता की भव्य निरंतरता है।

व्यापक सहभागिता का आह्वान: खेलो एमपी यूथ गेम्स के इस भव्य शुभारंभ समारोह में विभिन्न खेल संघों के वरिष्ठ पदाधिकारी, खेल प्रेमियों, युवाओं, अभिभावकों एवं नागरिकों की बड़ी संख्या में सहभागिता अपेक्षित है। यह आयोजन न केवल खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाएगा, बल्कि मध्यप्रदेश को खेलों के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त पहचान दिलाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

पहली बार ऐतिहासिक स्तर पर भव्य और समन्वित आयोजन

मंत्री सारंग ने बताया कि यह पहली बार है जब खेलो एमपी यूथ गेम्स को इस स्तर पर भव्य, सुव्यवस्थित और व्यापक स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि देश में पहली बार खेल विभाग एवं सभी मान्यता प्राप्त खेल संघों के साथ मिलकर इन प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं संचालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस समन्वित प्रयास के माध्यम से खेलो एमपी यूथ गेम्स को केवल प्रतियोगिता तक सीमित न रखते हुए राज्य स्तरीय टीम चयन का सशक्त मंच, युवा प्रतिभाओं की पहचान का माध्यम तथा प्रदेश की खेल संस्कृति के उत्सव के रूप में विकसित किया गया है।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर बुजुर्ग को लगाई 57 लाख की चपत

खाते खाली कर मोबाइल नंबर बंद किए

भोपाल ■ अमृत दर्शन

साइबर ठगों के खिलाफ लगातार जारी दी जा रही एडवाइजरी और चेतावनियों के बावजूद लोग उनके झांसे में आकर लाखों रुपये गंवा रहे हैं। मिसरोद इलाके में रहने वाले एक बुजुर्ग के साथ ऐसा ही एक 57 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने

आया है। ठगों ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर उनसे रकम जमा करवाई और बाद में बैंक खाता व मोबाइल नंबर बंद कर दिए। शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार पंकज श्रीवास्तव (61) दिसंबर माह में किसी परिचित के माध्यम से शेयर ट्रेडिंग से जुड़े एक मोबाइल नंबर के संपर्क में आए थे। उन्होंने उस नंबर पर कॉल किया तो बात करने वाले व्यक्ति ने बताया कि ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग के लिए दो खाते खोले जाएंगे। एक खाते में निवेश की राशि जमा करनी होगी, जबकि दूसरे खाते में मुनाफे की रकम दिखाई देगी। ठग ने भरोसा दिलाया कि रकम ऐसी कंपनियों में लगाई जाएगी, जो ज्यादा लाभ देने वाली होंगी और जितना अधिक निवेश होगा, उतना ही मुनाफा मिलेगा। झांसे में आकर पंकज श्रीवास्तव ने दो खाते खुलवाए। एक खाते में वह लगातार रुपये जमा करते गए, जबकि दूसरे खाते में उन्हें निवेश की गई राशि और मुनाफा दिखाई देता रहा।

इस तरह उन्होंने करीब 57 लाख रुपये खाते में जमा कर दिए। कुछ दिन पहले जब उन्होंने अपने खातों की जांच की तो दोनों खातों का बैलेंस शून्य हो चुका था। जब उन्होंने संबंधित मोबाइल नंबरों पर संपर्क करने का प्रयास किया तो वे नंबर भी बंद मिले। इसके बाद उन्हें ठगी का अहसास हुआ और उन्होंने सायबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। घटना स्थल मिसरोद थाना क्षेत्र का होने के कारण सायबर सेल ने शून्य पर प्रकरण दर्ज कर डायरी मिसरोद थाने भेजी, जहां पुलिस ने प्रकरण कायम कर लिया है। पुलिस मोबाइल नंबरों और बैंक खातों के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

एम्स ने लिवर कैंसर का पता लगाने विकसित की नई तकनीक

भोपाल । आजकल की जीवनशैली के कारण फैटी लिवर की समस्या को घर-घर की बीमारी बना दिया है। इस समस्यास से ज्यादा डर इस बात का रहता है कि यह धीरे-धीरे लिवर कैंसर या सिरोसिस जैसी जानलेवा बीमारी में न बदल जाए। इसका पता लगाने के लिए लिवर बायोप्सी (सुई के जरिए लिवर का टुकड़ा निकालना) करनी पड़ती थी, जो दर्दनाक होती है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल के विज्ञानियों ने इसको पहचानने के लिए नई तकनीक विकसित की है। जैव रसायन विभाग की डा. दीपा रोशनी ने डा. सुखेस मुखर्जी के मार्गदर्शन में इसपर शोध किया है। उन्होंने खून में मौजूद तीन ऐसे बायोमार्कर (जांच के संकेतों) की पहचान की है जो लिवर की स्थिति बताते हैं। इनके नाम एड्रोपिन, आइरिसिन और साइटोकेराटिन-18 हैं। यानी अब खून की सामान्य जांच से फैटी लिवर में कैंसर शुरू होने से पहले ही संभावना की सटीक पहचान सामने आ जाएगी। ऐसे काम करेगी यह नई तकनीकशोध के मुताबिक जैसे-जैसे लिवर की बीमारी गंभीर होती है, शरीर में ऊर्जा का संतुलन बनाने वाले दो हार्मोन (एड्रोपिन और आइरिसिन) कम होने लगते हैं। वहीं, लिवर की कोशिकाओं को होने वाले नुकसान को बताने वाला तत्व (साइटोकेराटिन-18) बढ़ने लगता है।

सोने चांदी के चक्कर में सराफा बाजार संकट में

भोपाल ■ अमृत दर्शन

पिछले कुछ महीनों से लगातार सोने चांदी के भाव में बढ़ोतरी उतार-चढ़ाव और अनिश्चितताओं के चलते जहां बड़े-बड़े सर्राफा कारोबारी दिवालिया होने की कगार पर है तो वहीं छोटे-छोटे दुकानदारों के घर रोटी का संकट खड़ा हो रहा है ।सोने चांदी के इस अनिश्चित भाव के कारण तमाम छोटे-छोटे व्यापारी और कारीगर बेरोजगारी के दौर से गुजर रहे हैं, जिसके कारण उन्हें जानलेवा बीमारियां घेर रही हैं ।एक सर्वे के मुताबिक पिछले एक वर्ष में लगभग एक सैकड़ा से अधिक छोटे-छोटे व्यापारी और कारीगर केवल हार्ट अटैक से ही दुनिया छोड़ चुके हैं। तमाम लोग दिवालियापन की कगार पर हैं। वहीं आम ग्राहक भी सोने चांदी के भाव देखकर जेवरात लेने से कटरा रहा है। कुल मिलाकर कहा जाए तो जैसा संकट अभी सराफा बाजार में है, ऐसा संकट आजादी के बाद कभी देखने को नहीं मिला है।

कारीगर और छोटे दुकानदारों की रोजी-रोटी मुश्किल: पिछले एक वर्ष से चल रहे सोने चांदी के भावों में हो रहे उतार चढ़ाव के कारण छोटे-छोटे दुकानदार और सोने चांदी के व्यापार से जुड़े हुए कारीगर अपनी रोजी-रोटी के लिए भी अब तरस रहे हैं। उनके सामने भुखमरी का संकट खड़ा हो चुका है । लगातार आम आदमी की पहुंच से दूर हो रहे सोने चांदी के इस व्यापार से जुड़े कारीगरों को भी रोजी-रोटी से दूर कर रहे हैं। पिछले 1 वर्ष से लगातार मंदी झेल रहे छोटे-छोटे सर्राफा व्यापारी अपनी सारी जमा पूंजी सोने चांदी के चक्कर में लुटा चुके हैं। बुरी तरह से प्रभावित इस सेक्टर के लोग अब पूरी तरह से निराशा है ,और अपनी आजीविका को लेकर आतंकित है। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने चांदी के भाव निश्चित होने के कारण सरकार भी इस क्षेत्र को अपनी जिम्मेदारी स्वयं समझ कर नहीं देख रही है । कुल मिलाकर कहा जा सकता है, कि अगर जल्द से जल्द केंद्र सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, तो एक बड़ा सेक्टर बेरोजगारी की कगार पर आकर खत्म हो जाएगा।

संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा आज से शिवाजी नगर में

भोपाल ■ अमृत दर्शन

संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा आज से प्रारंभ होकर 01 फरवरी 2026 तक चलेगी। 5 नम्बर बस स्टाप के पास, आई.टाईप सेक्टर-106 की लाईन, शिवाजी नगर में भागवत कथा प्रतिदिन दोपहार 2:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक चलेगी। कथावाचक आचार्य पं. अशोक कुमार शास्त्री संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का वाचन करेंगे। जिन्हें सुनने के लिये बड़ी संख्या में भक्तगण शामिल होंगे।

आज सुबह 11:00 बजे कलश यात्रा निकाली गई। श्री सिद्धेष्वरी दुर्गा माता मंदिर समिति एवं आदिगौड़ बावीसा पारोत्रा ब्राह्मण समाज द्वारा कथा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार 26 जनवरी को संक्षिप्त महाभारत कथा, देवहुति दर्शन नृसिंह अवतार, 27 जनवरी को सागर मंथन, अमृतकथा, वामन चरित्र दर्शन, 28 जनवरी को गंगा अवतार श्री राम जन्म कथा व श्री कृष्णजन्मोत्सव दर्शन, 29 जनवरी को भगवान श्री कृष्ण की बाल लीला, माखन चोरी, गोवर्धन पूजा, 30 जनवरी को श्री कृष्ण मथुरागमन, उद्धव चरित्र, रूक्मिणी विवाह उत्सव, 31 जनवरी को सुदामा चरित्र, मार्कण्डेय चरित्र, श्याम सुन्दर का गौलोक जाना, मोक्षगीता, 01 फरवरी को पूर्णाहूति, यज्ञोपवीत संस्कार एवं भोजन प्रसादी का वितरण होगा। आयोजक मण्डल ने शहरवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर श्रीमद्भागवत कथा का लाभ उठायें।

गोमांस सप्लाई नेटवर्क में सरकारी कनेक्शन

नगर निगम इंजीनियर से एसआईटी की पूछताछ, बड़ी चेन उजागर

एसआईटी जांच में ननि के असिस्टेंट इंजीनियर सौरभ सूद का नाम सामने आने से गंभीर सवाल खड़े हो गए

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल के जिंसी स्थित नगर निगम स्लॉटर हाउस से गोमांस की अवैध सप्लाई का मामला अब केवल तस्करी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें प्रशासनिक मिलीभगत की आशंका भी गहराती जा रही है। एसआईटी जांच में नगर निगम के असिस्टेंट इंजीनियर सौरभ सूद का नाम सामने आने के बाद पूरे नेटवर्क में सरकारी भूमिका को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

एसआईटी प्रभारी एसीपी उमेश तिवारी ने सौरभ सूद को नोटिस जारी कर बयान दर्ज किए हैं। सूत्रों के अनुसार इन्हीं बयानों के आधार पर मुख्य आरोपी असलम कुरैशी से पूछताछ की दिशा तय की गई। पुलिस रिमांड पर मौजूद आरोपी से पूछताछ में यह खुलासा हुआ है कि गोमांस की सप्लाई चेन रायसेन से लेकर बाड़ी बरेली तक फैली हुई थी।

जिंसी स्थित नगर निगम स्लॉटर हाउस के संचालन और निगरानी की जिम्मेदारी असिस्टेंट इंजीनियर सौरभ सूद के पास थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जिस अवधि में स्लॉटर हाउस से बड़े पैमाने पर गोमांस की आवाजाही हुई, उसी समय सूद वहां निगरानी अधिकारी के रूप में तैनात थे। 22 जनवरी को थाने में पूछताछ के बाद ही असलम कुरैशी और कंटेनर चालक शोएब को पुलिस ने रिमांड पर ले लिया है।

एसआईटी को असलम कुरैशी से पूछताछ के दौरान सप्लाई चेन को लेकर अहम सुराग मिले हैं। इनकी पुष्टि के लिए लाइव स्टॉक कंपनी से जुड़े सभी रिकॉर्ड तलब किए गए हैं। सौरभ सूद को कंपनी को लीज दिए जाने के बाद से अब तक के सभी दस्तावेज, अनुबंध और पत्राचार सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर आरोपी से सख्त पूछताछ की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार एसीपी उमेश तिवारी ने इस मामले में करीब दो दर्जन से अधिक बिंदुओं पर पूछताछ की रूपरेखा तैयार की है। असलम कुरैशी के आय स्रोत, विदेशी संपर्क और शिपमेंट प्रक्रिया की जांच की जा रही है। असलम और चालक शोएब को 25 जनवरी तक पुलिस रिमांड पर रखा गया है।

नगर निगम द्वारा सितंबर 2025 में पीपीपी मोड पर दिया गया स्लॉटर हाउस का ठेका भी जांच के घेरे में आ गया है। पुलिस यह पता लगा रही है कि ठेका देने की प्रक्रिया में किन नियमों की अनदेखी हुई और किन अधिकारियों की भूमिका रही।

लाइव स्टॉक कंपनी का पंजीकरण मई 2022 में ग्वालियर में हुआ था। शुरुआती दौर में इसके पार्टनर मोहम्मद मुर्शलीन कुरैशी, अमीनुद्दीन और जावेद रहमान थे। अब यह जांच का विषय है कि इनकी भोपाल के ठेके में क्या भूमिका रही।

जांच में सामने आया है कि मोहम्मद मुर्शलीन कुरैशी पहले से ही स्लॉटर कारोबार से जुड़ा रहा है। उसकी अन्य फर्में फलक फ्रोजन फूड एक्सपोर्टर्स और अल नवेद एग्रो फूड इंडस्ट्रीज भी इसी व्यवसाय से संबंधित रही हैं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या इन फर्मों के जरिए अवैध सप्लाई को अंजाम दिया गया।

अलग-अलग सड़क हादसों में तीन की मौत, कई घायल अस्पताल में भर्ती

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी के बिलखिरिया थाना क्षेत्र में अलग-अलग हादसों में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। बाइक की टक्कर से पलटे ऑटो में सवार एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई, वहीं अन्य हादसों में एक पैदल युवक और बाइक सवार महिला की जान चली गई।

पुलिस ने सभी मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी उमेश सिंह चौहान ने बताया कि रमेश वंशकार (48), निवासी थाना सुठालिया, जिला राजगढ़, ऑटो चालक है। गुरुवार को वह गुना निवासी अपने रिश्तेदार तुलाराम, पुनिया बाई, पप्पू सिंह, मोहर बाई और सोनू को ऑटो में बैठाकर ग्राम सिरोलिया, थाना उमरावगंज, जिला रायसेन जा रहा था। रात करीब पौने दस बजे जब वह बिलखिरिया स्थित रिलायंस गैस प्लांट के पास पहुंचा, तभी रायसेन की ओर से आ रहे तेज रफ्तार बाइक चालक ने सामने से ऑटो में टक्कर मार दी, जिससे ऑटो पलट गया ।हादसे में ऑटो में सवार सभी लोग घायल हो गए।

राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची एम्बुलेंस ने घायलों को रायसेन रोड स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज जारी है। गंभीर रूप से घायल पुनिया बाई (45) को हमीदिया अस्पताल रैफर किया गया था, जहां शुक्रवार रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

अनमोल वचन

पाषाण के भीतर भी मधुर स्रोत होते हैं, उसमें मदिरा नहीं शीतल जल की धारा बहती है।
जयशंकर प्रसाद

अच्छी योजना बनाना बुद्धिमानी का काम है पर उसको ठीक से पूरा करना धैर्य और परिश्रम का।
कहावत

भारत की विविधता और विकास का उत्सव

कांतिलाल मांडोत

पर्यटन का उद्देश्य रोजगार और पहचान का विस्तार राष्ट्रीय पर्यटन दिवस का मुख्य उद्देश्य भारतीय पर्यटन स्थलों का प्रचार करना है। इसके साथ ही पर्यटन उद्योग से जुड़े रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना भी इस दिवस का अहम लक्ष्य है।पर्यटन ऐसा क्षेत्र है जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आजीविका के अवसर पैदा करता है।

भारत में हर वर्ष पच्चीस जनवरी को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य देश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन के महत्व और उसके सामाजिक सांस्कृतिक तथा आर्थिक प्रभावों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है।भारत विश्व के उन गिने चुने देशों में है जहां प्राकृतिक सौंदर्य ऐतिहासिक धरोहर आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक विविधता एक साथ देखने को मिलती है। राष्ट्रीय पर्यटन दिवस इन सभी विशेषताओं को सामने लाकर भारत को वैश्विक पर्यटन मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करता है। पर्यटन का उद्देश्य रोजगार और पहचान का विस्तार राष्ट्रीय पर्यटन दिवस का मुख्य उद्देश्य भारतीय पर्यटन स्थलों का प्रचार करना है। इसके साथ ही पर्यटन उद्योग से जुड़े रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना भी इस दिवस का अहम लक्ष्य है।पर्यटन ऐसा क्षेत्र है जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आजीविका के अवसर पैदा करता है।इससे होटल परिवहन हस्तशिल्प स्थानीय बाजार और सांस्कृतिक गतिविधियों को नया जीवन मिलता है।पर्यटन और भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूतीबनी रहती है।आज पर्यटन भारतीय अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बन चुका है।यह क्षेत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करोड़ों लोगों को रोजगार प्रदान करता है।पर्यटन के माध्यम से सरकार को हर वर्ष कर शुल्क और सेवाओं से बड़ी मात्रा में आय प्राप्त होती है।यह आय बुनियादी ढांचे सामाजिक योजनाओं और विकास कार्यक्रमों में उपयोग की जाती है।पर्यटन से बदलती तस्वीरजम्मू कश्मीर जैसे राज्य जहां औद्योगिक गतिविधियां सीमित हैं वहां पर्यटन आय का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है।पर्यटन से होटल टैक्स परिवहन शुल्क और स्थानीय उत्पादों की बिक्री के माध्यम से राज्य की आय तेजी से बढ़ रही है।पर्यटन ने इन क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं।इसके साथ ही सामाजिक स्थिरता और शांति को भी आर्थिक आधार मिला है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और पर्यटन नीति का विकास भारत सरकार ने स्वतंत्रता के तुरंत बाद पर्यटन के महत्व को समझ लिया था।वर्ष उन्नीस सौ अड़तालीस में पर्यटन यातायात समिति का गठन इसी सोच का परिणाम था।

वर्ष उन्नीस सौ सड़सठ में पर्यटन मंत्रालय की स्थापना के बाद पर्यटन को संस्थागत पहचान मिली।राष्ट्रीय पर्यटन दिवस इसी दीर्घकालिक नीति दृष्टिकोण का प्रतीक है।सरकारी पहलें और योजनागत प्रयासपर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई योजनाएं आरंभ की हैं। स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत थीम आधारित पर्यटन सर्किट विकसित किए जा रहे हैं।

अपने देश पहल ने घरेलू पर्यटन को नई दिशा दी है।राष्ट्रीय हरित पर्यटन मिशन ने पर्यावरण संरक्षण को पर्यटन नीति से जोड़ा है।कौशल विकास की कमीएक बड़ी चुनौतीबनी हुई थी।पर्यटन उद्योग एक श्रम प्रधान क्षेत्र है।इस क्षेत्र में सेवा गुणवत्ता का सीधा संबंध प्रशिक्षित मानव संसाधन से होता है। लेकिन वर्षों से प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता पर्यटन क्षेत्र के विकास के अनुरूप नहीं रही है।इसका प्रभाव पर्यटकों के अनुभव और सेवा स्तर पर पड़ता है।संसाधनों का अतिदोहन और पर्यावरणीय दबाव अस्थिर पर्यटन प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डालता है।भारत के हिमालयी क्षेत्रों में जल वन और भूमि संसाधन पहले से ही सीमित हैं।

पर्यटन गतिविधियों के कारण मृदा क्षरण प्रदूषण और जैव विविधता को नुकसान हो रहा है।

यह स्थिति भविष्य के लिए गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा कर सकती है।पर्वतीय राज्यों पर

पर्यटन का भारजम्मू कश्मीर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्य अपनी पारिस्थितिक वहन क्षमता की सीमा तक पहुंच रहे हैं।यूपीएससी की परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्न इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं।

यदि पर्यटन विकास को संतुलित नहीं किया गया तो पर्यावरणीय क्षति अपरिवर्तनीय हो सकती है। इसलिए संरक्षण और विकास के बीच संतुलन अत्यंत आवश्यक है।बुनियादी सुविधाएं और सुरक्षा की जरूरत भारत के कई पर्यटन स्थलों पर स्वास्थ्य स्वच्छता परिवहन और सुरक्षा सुविधाएं अपर्याप्त हैं।

यह स्थिति विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देती है।अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए आधुनिक अवसंरचना अनिवार्य है।इन क्षेत्रों में निवेश पर्यटन क्षेत्र को और मजबूत बना सकता है।

ज़िम्मेदार औरहरित पर्यटन की दिशासतत पर्यटन का अर्थ है। ऐसा पर्यटन जो पर्यावरण समाज और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन बनाए।इसके लिए पर्यटन प्रबंधन से जुड़े सभी हितधारकों की जवाबदेही जरूरी है।प्राकृतिक पारितंत्र में न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ हरित पर्यटन को बढ़ावा देना समय की मांग है।संवहनीय अवसंरचना आत्मीय आतिथ्य को दीर्घकालिक आधार देती है।एकीकृत पर्यटनऔर डिजिटल प्रचारदेश भर में वांछित पर्यटन स्थलों की पहचान के लिए व्यापक बाजार अध्ययन आवश्यक है।इसके आधार पर पर्यटन स्थलों का मानचित्रण किया जा सकता है।डिजिटल माध्यम और सोशल मीडिया के जरिए इन स्थलों का प्रचार किया जा सकता है।

यह एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को सशक्त करेगा।

एक राज्य एकपर्यटन शुभंकर राज्यों के पशुओं और प्रतीकों को पर्यटन शुभंकर के रूप में अपनाया जा सकता है।

यह विशेष रूप से बच्चों के बीच पर्यटन शिक्षा को रोचक बना सकता है।इससे राज्यों की अलग पहचान बनेगी।पर्यटन ब्रांड को नई ऊर्जा मिलेगी।

जी-20 अध्यक्षताऔर वैश्विक अवसर आज की मांग है।भारत की जी-20 अध्यक्षता ने देश को विश्व मंच पर प्रस्तुत होने का अवसर दिया।अतिथि देवो भव की परंपरा ने भारत की सांस्कृतिक छवि को मजबूत किया।विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के आगमन से भारत की पर्यटन क्षमता को वैश्विक पहचान मिली। इसका लाभ आने वाले वर्षों में पर्यटन क्षेत्र को मिलेगा। भविष्य की संभावनाएं भारत के लिए सुनहरा समय पर्यटन से सरकार की आय लगातार बढ़ रही है। जम्मू कश्मीर जैसे राज्यों में पर्यटन आर्थिक पुनरुत्थान का आधार बन चुका है।आने वाले समय में भारत के लिए पर्यटन को लेकर अनुकूल परिस्थितियां हैं।सही नीति और सतत दृष्टिकोण से भारत विश्व का प्रमुख पर्यटन केंद्र बन सकता है।

विकास और संरक्षण का संतुलन राष्ट्रीय पर्यटन दिवस केवल एक उत्सव नहीं है।यह भारत के आर्थिक सामाजिक और सांस्कृतिक भविष्य की दिशा को दर्शाता है।यदि भारत जिम्मेदार समावेशी और हरित पर्यटन को अपनाता है तो पर्यटन राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम सिद्ध होगा।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्ययकार ,स्तम्भकार)

सम्पादकीय

न्याय पालिका की विश्वसनीयता में कमी क्यों

पिछले एक दशक में भारतीय न्यायपालिका की भूमिका को लेकर लगातार गंभीर सवाल उठ रहे हैं। संविधान ने न्यायपालिका को लोकतंत्र का प्रहरी बनाकर सर्वोच्च स्थान दिया है। कार्यपालिका और विधायिका पर न्यायपालिका का संवैधानिक नियंत्रण, नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण, कानून और नियमों का राज, सभी के लिए समान अवसर यह सुनिश्चित करना न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। संवैधानिक संस्थाएँ अपने दायित्व का सही ढंग से निर्बाह कर रही हैं, या नहीं। इस पर नियंत्रण रखने की मूल जिम्मेदारी न्यायपालिका की है। गणतंत्र के 76वें वर्ष में खड़े होकर जब हम देखते हैं, तो वर्तमान की तस्वीर पहले जैसी स्पष्ट और भरोसेमंद नजर नहीं आती है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका मे भ्रष्टाचार बढ़ा है। जिस तरह के निर्णय आ रहे हैं, और टिप्पणियां हो रही हैं, उसको लेकर न्यायपालिका के ऊपर नागरिकों का दिन प्रतिदिन विश्वास घटता चला जा रहा है। बीते वर्षों में कई ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं, जिसने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। न्यायाधीशों की नियुक्ति मे कॉलेजियम बनाम सरकार का टकराव, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जजों की ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस, सुप्रीम कोर्ट में मनमाने तरीके से न्यायाधीशों की बेंच में मामलों की सुनवाई संवैधानिक पीठों के गठन में देरी, महत्वपूर्ण याचिकाओं को वर्षों तक लंबित रखना, राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों की सुनवाई वर्षों तक लंबित रखने, आधे-अधूरे निर्णय देना, आदेश के स्थान पर टिप्पणियां करना। यह सब इस बात का संकेत देते हैं। न्यायिक व्यवस्था में विचारधारा सरकार का दबाव और भेदभावपूर्ण निर्णय देने का चलन बढ़ा है। सरकार मनमाने निर्णय ले रही है। न्यायपालिका कई मामलों में अपेक्षित निर्णय नहीं ले रही है। न्यायपालिका सरकार के प्रति वह कठोरता नहीं दिखा रही, जो संविधान और कानून नियम के अनुसार जरूरी है। नागरिकता कानून, अनुच्छेद 370, चुनावी बांड, जांच एजेंसियों की मनमानी कार्यवाही, नागरिकों की धार्मिक राजनीतिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे विषयों पर न्यायिक सक्रियता की धीमी गति ने न्यायपालिका के प्रति नागरिकों के विश्वास को कमजोर किया है। नागरिकों की यह धारणा बनने लगी है, न्यायपालिका पर कार्यपालिका का दबाव बढ़ गया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के मनमाने तरीके से ट्रांसफर किए जा रहे हैं। फैसलों को लेकर सरकार का अप्रत्यक्ष दबाव बढ़ता जा रहा है। जिसके कारण हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से अब लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। सबसे चिंताजनक आरोप न्यायपालिका पर यह लग रहा है, कि अब 'अमीरों के लिए अलग न्याय और गरीबों के लिए अलग न्याय' की स्थिति बनती जा रही है। जमानत के मामलों में असमानता, धार्मिक आधार पर भेदभावपूर्ण फैसले, वर्षों से जेलों में बंद विचाराधीन कैदी, प्रभावशाली आरोपियों को त्वरित राहत मिलने, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, एसआईआर मामले की सुनवाई में तारीख पर तारीख के बीच बिहार विधानसभा के चुनाव हो जाना, इस तरह के सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं। जिससे आम नागरिकों एवं न्यायविदों के मन में न्याय के प्रति अविश्वास देखने को मिल रहा है। न्यायपालिका को सरकार का संरक्षण मिलने और बदले में सरकार के हितों के प्रति नरमी दिखाने के कई फैसलों की चर्चा लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। इस स्थिति का सीधा प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ रहा है। न्यायपालिका पर विश्वास कमजोर होता है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। संविधान की रक्षा का दायित्व न्यायपालिका के ऊपर है। यही लोगों के लिए अंतिम विश्वास के रूप में बना हुआ था जो अब खंडित हो रहा है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है, कि नागरिकों का विश्वास न्यायपालिका के प्रति कैसे बना रहे? इसके लिए न्यायिक स्वतंत्रता जरूरी है। न्यायाधीशों और न्यायालयों को वास्तविक संरक्षण प्राप्त हो, नियुक्तियों और तबादलों में पारदर्शिता बढ़ाई जाए। संवेदनशील मामलों में समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। गरीब और वंचित वर्ग के लिए त्वरित संवेदनशील न्याय की व्यवस्था मजबूत की जाए। न्यायाधीशों के आचरण में प्रदर्शित हो। न्यायपालिका के फैसलों में स्पष्टता हो। सुप्रीम कोर्ट पूर्व में दिए गए निर्णयों एवं संवैधानिक बेंच द्वारा दिए गए निर्णयों का वर्तमान न्यायाधीश सम्मान करें। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो फैसले दिए जा रहे हैं, वह स्पष्ट हों, फैसला संविधान कानून और नियम के अनुसार किए गए हैं। यह परीलिक्षित हो। न्यायपालिका की ताकत उसकी साख में है। न्यायपालिका की साख कमजोर हुई, तो पूरा लोकतांत्रिक ढांचा संकट में पड़ जाएगा। आवश्यकता है, न्यायपालिका अपने भीतर झाँके। आत्ममंथन करे, अपने फैसलों से नागरिकों का अटूट विश्वास अर्जित करे। बिना भरोसे का न्याय औपचारिक बन जाता है। ऐसी स्थिति में लोग न्यायपालिका के स्थान पर गुंडे और बदमाशों के पास जाकर न्याय पाने की चेष्टा करते हैं। न्याय पाने के लिए राजनेताओं के पास जाने लगते हैं। ऐसी स्थिति में भीड़-तंत्र स्वयं न्याय पाने के लिए सड़कों पर उतरने लगता है। भारत की न्यायपालिका को अपनी साख बेहतर बनाने की दिशा में काम करना होगा। अन्यथा स्थिति बहुत खराब हो सकती है।

वोट की ताकत हमारा संवैधानिक अधिकार है

डॉ. अशोक कुमार भार्गव

हमें गर्व है कि हम दुनिया के सबसे सशक्त, सफल, परिपक्व लोकतांत्रिक गणराज्य के नागरिक हैं। लोकतंत्र न केवल सर्वोत्तम शासन पद्धति है वरन एक शैली है जीवन यापन की, एक विधि और दर्शन है। इस व्यवस्था में स्वतंत्र निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव लोक आस्था, लोक निष्ठा के प्रतीक होते हैं। चुनाव लोकतंत्र की आत्मा है और मतदाता ही लोकतंत्र के भाग्य विधाता है। चुनाव के बिना लोकतंत्र और लोकतंत्र के बिना चुनाव दोनों अर्थहीन हो जाते हैं ।

25 जनवरी 1950 अर्थात भारत निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस को पूरे देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाते हैं। इसका उद्देश्य भारतीय नागरिकों को मतदाता के रूप में उनके अधिकारों और दायित्वों के प्रति जागृत करना है। यह परंपरा वर्ष 2011 से प्रारंभ हुई है। निर्वाचनआयोग एक स्वायत्त संवैधानिक निकाय है जो भारत में संघ एवं राज्य निर्वाचन प्रक्रियाओं का संचालन करने के लिए उत्तरदायी है। यह निकाय ही भारत में लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं, देश में राष्ट्रपति,उपराष्ट्रपति के पदों के निर्वाचनों का संचालन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हमें गर्व है कि हम दुनिया के सबसे सशक्त, सफल, परिपक्व लोकतांत्रिक गणराज्य के नागरिक हैं। लोकतंत्र न केवल सर्वोत्तम शासन पद्धति है वरन एक शैली है जीवन यापन की, एक विधि और दर्शन है। इस व्यवस्था में स्वतंत्र निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव लोक आस्था, लोक निष्ठा के प्रतीक होते हैं। चुनाव लोकतंत्र की आत्मा है और मतदाता ही लोकतंत्र के भाग्य विधाता है। चुनाव के बिना लोकतंत्र और लोकतंत्र के बिना चुनाव दोनों अर्थहीन हो जाते हैं ।

भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार डॉ. अंबेडकर ने प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा का सम्मान करते हुए मतदान के अधिकार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। भारतीय संविधान की सबसे बड़ी विलक्षणता ही यह है कि वह देश के प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के न केवल वोट देने की ताकत देता है वरन प्रत्येक वोट का मूल्यांकन भी समान करता है। यह ताकत प्रत्येक मतदाता का न केवल संवैधानिक अधिकार है वरन उसकी जिम्मेदारी भी और जिम्मेदारी सिर्फ ओढ़ने के लिए नहीं होती वरन निभाने के लिए होती है। जो मतदाता अपने इस मूल्यवान अधिकार का उपयोग नहीं करते वे न केवल लोकतंत्र की बुनियाद को कमजोर करते हैं वरन राष्ट्र के भविष्य के साथ खिलवाड़ भी करते हैं। भारत में सन 1952 से निरंतर एक निश्चित समय अंतराल पर लोकसभा और विधानसभाओं के निर्वाचन संपन्न हो रहे हैं । चुनाव में मतदान का प्रतिशत है यद्यपि अपेक्षाकृत बड़ा है किंतु फिर भी एक बहुत बड़ा तबका अर्थात 30 से 35% मतदाता आज भी कोउ नृप होय हमें का हानीकी दूषित मानसिकता के चलते मतदान के प्रति निष्क्रिय, उदासीन और विमुख है। वोट देने की ताकत राष्ट्र के विकास या विनाश की निर्णायक शक्ति होती है। अक्सर वोट न देने वाले मतदाता सरकार की नाकामी पर गरियाते रहते हैं, तर्क कुतर्क वितर्क करते रहते हैं। ऐसे ही एक याचिकाकर्ता को आढे हाथों लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई थी कि अगर आप वोट नहीं देते हैं तो किसी काम के लिए आपके पास सरकार पर तोहमत लगाने का अधिकार भी नहीं है।

इसलिए समावेशी और सहभागी लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करने के लिए नए मतदाताओं को प्रोत्साहित करना, उन्हें सुविधाएं देना, उनका नामांकन बढ़ाना , उन्हें सशक्त, सतर्क, सुरक्षित और वोट देने के अधिकार के प्रति जागरूक करना अपरिहार्य होता है। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं को सुव्यवस्थित शिक्षण हेतु कई सामान्य और लक्षित हस्तक्षेपों पर आधारित 360 डिग्री संचार का राष्ट्रव्यापी स्वीप कार्यक्रम वर्ष 2009 से प्रारंभ कियाहै। फल स्वरुप मतदान का प्रतिशत बढ़ा है, जेंडर गैप कम हुआ है, मतदान केंद्र पर हिंसा लूट और मतदान के बहिष्कार जैसी घटनाएं कम हुई है, नए युवा मतदाता शतप्रतिशत जुड़ रहे हैं, नामांकन बढ़ रहा है और सूचित, नैतिक, स्वतंत्र प्रोत्साहित वोटिंग प्रत्येक मतदान केंद्र पर बढ़ रही है। यह एक कटु सत्य है कि चुनाव का लोकतांत्रिक अनुष्ठान मतदाताओं के मतों की आहुतियों के बिना फलीभूत नहीं हो सकता क्योंकि लोकतंत्र का स्वरूप वैसा ही होता है जैसे उसके नियंता होते हैं और लोकतंत्र में मतदाता ही लोकतंत्र के असली मालिक और नियंता होते हैं। वे अपनी सरकार, अपने लिए, अपने ही द्वारा चुनते हैं। अत: लोकतंत्र में एक मतदाता का अज्ञान भी सबकी सुरक्षा को संकट में डालने के लिए पर्याप्त होता है। क्योंकि जम्हूरियत वह तर्जे हुकूमत है कि जिसमें बंदों को तोला नहीं गिना करते हैं अर्थात एक-एक वोट महत्वपूर्ण होता है। एक एक वोट से हार जीत होती है। यों तो लोकतंत्र में हम लोक कहलाना पसंद करते हैं किंतु तंत्र का हिस्सा नहीं बनते। अत: संविधान प्रदत्त वोट डालने के अपने मूल्यवान अधिकार का हर संभव परिस्थितियों में उपयोग करना चाहिए। हम भारत के लोग परम सौभाग्यशाली हैं कि हमें 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान के लागू होते ही सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की अनुपम सौगात बिना किसी संघर्ष के प्राप्त हो गई जबकि वैश्विक स्तर पर इसे प्राप्त करने का इतिहास आंदोलनों, प्रदर्शनों और संघर्षपूर्ण अभियानों का रहा है।19वीं सदी के प्रारंभ में लोकतंत्र के लिए होने वाले संघर्ष प्राय: राजनीतिक समानता, आजादी और न्याय जैसे मानवीय मूल्यों को लेकर ही होते थे किंतु सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की मांग प्रमुख होती होती थी। यूरोप के अधिकांश देश जो लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपनाते जा रहे थे वह भी सभी लोगों को वोट देने की अनुमति नहीं देते थे। कुछ देशों में केवल उन्हीं लोगों को वोट देने का अधिकार था जिनके पास संपत्ति थी या वे बड़े जमींदार, सामंत अथवा पादरी थे। महिलाओं के साथ भेदभाव होता था और वोट देने का अधिकार मिलता ही नहीं था। संयुक्त राज्य अमेरिका में अश्वेतों को 1965 तक मतदान का अधिकार नहीं मिला। कई देशों में मताधिकार को प्राप्त करने के लिए साक्षरता की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होता था।

वैश्विक स्थिरता के लिए छोटे राज्यों की संप्रभुता जरूरी

अमित पांडेय

दावोस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मौजूदगी और ग्रीनलैंड पर उनके दावे ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि छोटे राष्ट्रों की संप्रभुता का सम्मान क्यों इतना महत्वपूर्ण है। यह विवाद केवल अमेरिका और यूरोप के बीच का तनाव नहीं है, बल्कि पूरी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की दिशा तय करने वाला क्षण है। ग्रीनलैंड, जो डेनमार्क साम्राज्य का हिस्सा है, आर्कटिक क्षेत्र में अपनी सामरिक स्थिति और प्राकृतिक संसाधनों के कारण लंबे समय से महाशक्तियों की निगाहों में रहा है। अमेरिका ने 1946 में भी ग्रीनलैंड को खरीदने का प्रस्ताव रखा था, जिसे डेनमार्क ने अस्वीकार कर दिया था। आज जब जलवायु परिवर्तन आर्कटिक को नए समुद्री मार्गों और खनिज संपदा के द्वार खोल रहा है, तो ग्रीनलैंड का महत्व और भी बढ़ गया है। यही कारण है कि ट्रम्प का दबाव और यूरोप का प्रतिरोध केवल वर्तमान राजनीति नहीं, बल्कि ऐतिहासिक निरंतरता का हिस्सा है। ट्रम्प का यह कहना कि यदि यूरोप ने उनके ग्रीनलैंड अधिग्रहण की राह में बाधा डाली तो वे अतिरिक्त टैरिफ लगाएंगे, केवल आर्थिक धमकी नहीं है। यह उस अमेरिकी नीति का हिस्सा है जिसमें सहयोगियों पर भी दबाव डालकर राष्ट्रीय हित साधने की कोशिश की जाती है। यूरोपीय संघ की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने स्पष्ट कहा कि यूरोप संवाद को प्राथमिकता देता है, लेकिन यदि आवश्यक हुआ तो कार्रवाई करने के लिए तैयार है। यह बयान यूरोप की उस नई आत्मनिर्भरता की दिशा को दर्शाता है जिसमें वह अमेरिकी दबाव से मुक्त होकर अपनी रणनीतिक पहचान गढ़ना चाहता है। इतिहास हमें बताता है कि जब भी महाशक्तियों ने छोटे राष्ट्रों की संप्रभुता को चुनौती दी है, तो वैश्विक असंतुलन पैदा हुआ है। 19वीं सदी में अफ्रीका और एशिया के उपनिवेशीकरण ने विश्व व्यवस्था को अस्थिर किया था। ग्रीनलैंड पर अमेरिकी दावे को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। यह केवल एक द्वीप का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह उस मूलभूत अधिकार का प्रश्न है कि किसी क्षेत्र का भविष्य उसके लोगों और वैध सरकार द्वारा तय किया जाएगा, न कि बाहरी दबाव से। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारर ने सही कहा कि ग्रीनलैंड की सुरक्षा और संप्रभुता मौलिक है। यह बात और भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि आर्कटिक क्षेत्र जलवायु परिवर्तन के कारण तेजी से बदल रहा है। नए समुद्री मार्गों के खुलने से रूस, चीन और अमेरिका जैसी शक्तियों की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। ऐसे में ग्रीनलैंड का नियंत्रण केवल भूगोल का नहीं, बल्कि वैश्विक व्यापार और सुरक्षा का भी प्रश्न है। नाटो पर ट्रम्प के हमले और यूरोपीय सहयोगियों के प्रति उनकी अवमानना यह दिखाती है कि अमेरिका अपने पारंपरिक गठबंधनों को भी आर्थिक और सामरिक दबाव के औजार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। लेकिन यूरोप का यह कहना कि वह पूरी तरह तैयार है, एक नए संतुलन की ओर इशारा करता है। यह संतुलन शायद उस बहुध्रुवीय विश्व की ओर ले जाएगा जिसमें अमेरिका अकेला निर्णायक शक्ति नहीं रहेगा। यह विवाद हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या वैश्विक राजनीति अब केवल शक्ति से परिभाषित होगी या फिर संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान भी इसमें जगह बनाएगा। यदि अमेरिका ग्रीनलैंड पर दबाव बनाए रखता है और यूरोप प्रतिरोध करता है, तो यह संघर्ष केवल अटलांटिक के दोनों किनारों तक सीमित नहीं रहेगा। यह वैश्विक व्यवस्था की दिशा तय करेगा। भारत जैसे देशों के लिए भी यह विवाद महत्वपूर्ण है। क्योंकि यह दिखाता है कि छोटे राष्ट्रों की संप्रभुता की रक्षा करना केवल नैतिक प्रश्न नहीं है, बल्कि यह वैश्विक स्थिरता का आधार है। यदि ग्रीनलैंड जैसे क्षेत्र पर बाहरी दबाव सफल होता है, तो यह मिसाल अन्य जगहों पर भी लागू हो सकती है। अंतत:, ग्रीनलैंड विवाद हमें यह याद दिलाता है कि शक्ति का असली परीक्षण यह नहीं है कि कोई महाशक्ति कितनी भूमि या संसाधन पर कब्ज़ा कर सकती है, बल्कि यह है कि वह अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में कितनी स्थिरता और न्याय सुनिश्चित कर सकती है।

खास बात

दावोस की बैठक में नहीं पहुंचे मोदी

स्विट्जरलैंड के दावोस में चल रही विश्व आर्थिक मंच की बैठक में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड टंप विवादों के बीच पहुंचे। वहीं पर उन्होंने नाटो की बैठक बुलाने के लिए कहा।नाटो के प्रमुख मार्क रूट से ट्रंप ने फोन पर बात की। ग्रीनलैंड के मुद्दे पर उन्होंने समझौते की पेशकश की। इतनी महत्वपूर्ण बैठक में भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी शामिल नहीं हुए। इसको लेकर वैश्विक स्तर पर चर्चा हो रही है। जब सारी दुनिया में अफरा तफरी का माहौल बना हुआ है। तब भारत का बैठक में शामिल नहीं होना चर्चा का विषय बना हुआ है।

नितिन नवीन से भाजपा में नवीन युग की शुरुआत?

भारतीय जनता पार्टी के 12 वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन की नियुक्ति हुई है। यह सबसे कम उम्र के सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। उनके कार्यभार संभालने पर भाजपा में कहा गया,यह पार्टी के नवीन युग की शुरुआत है।भाजपा के अभी तक जो 11 अध्यक्ष हुए हैं। उन सभी को पीछे छोड़ते हुए भाजपा अब नवीन युग की ओर आगे बढ़ रही है। 11 राष्ट्रीय अध्यक्षों का कार्यकाल भाजपा ने देख लिया है।12 वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यकाल का नवीन युग कैसा होगा। इसको लेकर तरह-तरह की चर्चा होने लगी है।

ब्रिटेन और अमेरिका के बीच में तनातनी

अमेरिका आज जहां खड़ा है। उसको बनाने में ब्रिटेन ने उसकी हमेशा मदद की। एक समय था, ब्रिटेन के राज मैं सूरज कभी डूबता नहीं था। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन की सहायता से अमेरिका ने सारी दुनिया में अपना नेतृत्व स्थापित किया। अब वही अमेरिका ब्रिटेन को आंखें दिखा रहा है। ब्रिटेन की संसद ने डोनाल्ड ट्रंप को गैंगस्टर बता दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन और फ्रांस में 200 फ़ीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जब समय खराब आता है, तो सबसे पहले बुद्धि भ्रष्ट होती है। यही अब डोनाल्ड ट्रंप के साथ होता हुआ दिख रहा है।

शंकराचार्य ने दिया योगी सरकार को जवाब

ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार को कड़ा जवाब दिया है। जब कुंभ का मेला हुआ था। उसके प्रचार प्रसार में उत्तर प्रदेश की सरकारी पत्रिका में सरकार ने अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य बताया था।अब शंकराचार्य नहीं है। यह कहकर नोटिस भेजा है। शंकराचार्य ने कहा उत्तर प्रदेश का मेला प्रशासन अपनी गलती को ढकने के लिए इस तरह के नोटिस भेज रहा है। शंकराचार्य के वकील ने कहा, वह सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर करेंगे। प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की गलत व्याख्या करते हुए शंकराचार्य के खिलाफ कार्यवाही की है।

चिंतन-मनन

क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है। हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की। विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शास्त्रों में इन्हें आदिपुरूष कहा गया है। आदि पुरूष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, माघ शुक्ल पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रास्त पूर्वे तिथी सप्तमी, रविवासरे, रेवती नक्षत्रे, सिद्ध योगे, गरकरणे, सुबह मेष की चंद्रमा, भद्रा 34/49 आंवला सप्तमी व्रत, पंचक समाप्त तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक, योग्य, बुद्धिमान, लेखक, कवि, बैंक कर्मचारी, अधिकारी, आफिसर, लेखापाल, बैंक मैनेजर तथा उत्तम व्यापारी शासक प्रशासक बनेगा।

मेष राशि- धन का व्यय संभव है, तनाव पूर्ण वार्ता से बचिएगा, कार्य का ध्यान अवश्य रखें।

वृष राशि- अधिकारियों के समर्थन से सफलता, कार्य कुशलता से संतोष होवे, बिगड़े कार्य बनेंगे।

मिथुन राशि- चिन्ताएं कम हो, सफलता के साधन जुटाए तथा शुभ समाचार अवश्य मिलेंगे।

कर्क राशि- बड़े-बड़े लोगों से मेल मिलाप होवे तथा सुख समृद्धि के साधन अवश्य बनेंगे।

सिंह राशि- स्त्रीवर्ग से हर्ष उल्लास होवे, भोग कार्य की प्राप्ति होगी, कार्य गति उत्तम बनें।

कन्या राशि- प्रतिष्ठा बाल बाल बचें, संघर्ष से अधिकार प्राप्त करें, भाग्य का साथ दें।

तुला राशि- कुटुम्ब और धन की चिन्ता बनी रहे, परिश्रम से सोचे कार्य अवश्य ही बनेंगे, ध्यान दें।

वृश्चिक राशि- प्रत्येक कार्य में बाधाएं, क्लेश युक्त रखे, स्थिति साम्थर्य के योग अवश्य बनें।

धनु राशि- भावनाएं विक्षुब्ध रखे, दैनिक कार्यगति मंद रहे, परिश्रम से कार्य अवश्य बनेंगे।

मकर राशि- तनाव क्लेश व अशांति, धन का व्यय, मानसिक खिन्नता, अवश्य बनेगी।

कुंभ राशि- कार्य कुशलता से संतोष, व्यवसायिक समृद्धि के साधन।

मीन राशि- कुटुम्ब के कार्यों में समय बीतें तथा हर्षप्रद समाचार प्राप्त हो।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

25 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.52 बजे से
चंद्र	मेष में	मीन	09.25 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	10.55 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.35 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	14.34 बजे से
शुक्र	मकर में	कर्क	16.47 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	19.03 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	21.15 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	23.26 बजे से
		वृश्चिक	01.40 ब.से
		धनु	03.56 बजे से
		मकर	06.02 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2026 वर्ष का 25 दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 23.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 13.36 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 11.46 बजे को समाप्त।
करण गर 11.59 बजे तदनन्तर वणिज 23.11 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 6.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 01'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872600
जूलियन दिन 2461065.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना साबान
तारीख 05
विशेष रथ सप्तमी, नर्मदा जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बच्चे की याददाश्त बढ़ाने ये उपाय करें..

बच्चे की याददाश्त बचपन से ही तेज कैसे रखी जाए। यह बात सभी अभिभाव सोचते हैं। इसके लिए अधिकतर लोग बेहतर खानपान पर जोर देते हैं पर इतना ही काफी नहीं है। याददाश्त बढ़ाने के लिए आपको बच्चे के साथ कुछ छोटी-छोटी दिमागी कसरतें भी करनी होगीं। मान लीजिये अगर आप कहीं घूमने गये हैं और वहां किसी रेस्टोरेंट में खाना खाने गए तो लौटकर उससे जुड़े सवाल करें। घर लौटने के बाद आप बच्चे से रेस्टोरेंट से जुड़ी कुछ बातें पूछिए। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि आप जो सवाल बच्चों से पूछें उनके जवाब आपको भी याद हों। जैसे रेस्टोरेंट में आप किस और बैठे थे वहां किस रंग की फोटो लगी थी या उससे जुड़े कोई खास सवाल। ध्यान रहे ये जवाब आप को भी आने चाहिये।

लेफ्ट-राइट एक्सरसाइज याददाश्त बढ़ाने का बेहद खास तरीका है। इसमें बच्चे के सामने कई सारे खिलौने रखे होते हैं और उन्हें उन खिलौनों को दाईं या बाईं ओर रखने के लिए कहा जाता है। उदाहरण के लिए बच्चे को कुछ गेंदें दीजिए और उन्हें दाईं ओर रखी टोकरी में रखने के लिए कहिए। दूसरे दिन भी उसे गेंद को वहीं रखने के लिए कहिए, पर तीसरे दिन गेंदों को बाईं ओर रखने के लिए कह दीजिए। बच्चे का हाथ पहले दाईं ओर ही बढ़ेगा। पर, लगातार इस तरह के एक्सरसाइज से उसकी मानसिक सतर्कता और याददाश्त मजबूत होगी।' जैसा कि आप जानती ही हैं कि अंग्रेजी में दो तरह के अक्षर होते हैं, स्वर और व्यंजन। अब पढ़ाई के बाद आपको बच्चे के साथ इन्हीं वॉवेल से जुड़ा खेल खेलना है। कागज पर एक बॉक्स बनाएं और उसमें अंग्रेजी के कुछ अक्षर लिखें। बच्चे से उन शब्दों को काटने के लिए कहें, जिसमें वॉवेल न हों। इस तरह से बच्चे की अंग्रेजी तो अच्छी होगी ही, उसकी दिमागी एक्सरसाइज भी होगी।

घर के कामों में लगाएं

किचेन में काम करते हुए बच्चे को भी काम में शामिल कीजिए। उन्हें कुकिंग से जुड़े छोटे-छोटे काम करने के लिए बोलें ताकि वो जान जाएं कि कौन-सी चीज कहां रखी है? अब अगले दिन उन्हें फिर से वही चीजें आपको रसोई से लाकर देने के लिए कहें। इससे होगा यह कि आपको पता चलेगा कि चीजें कहां रखी हैं, बच्चे को यह याद भी है या नहीं। जैसे आप बच्चे से प्याज लाने के लिए बोलिए। अगले दिन जब वो फिर यही काम करेगा तो दिमाग पर जोर डालेगा कि मां ने प्याज कहां रखे थे।

नंबर गेम का कमाल

डिजिट स्पैन मतलब वो एक्सरसाइज जो बच्चे की याददाश्त बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। इसके लिए बच्चे के सामने कुछ अंक बोलिए और उन्हें याद करने के लिए कहिए। अगले दिन बच्चे को आपको वो सारे अंक बताने होंगे। इसके लिए फोन नंबर का इस्तेमाल किया जा सकता है। आप कोई ऐसा नंबर बच्चे के सामने बोलिए जो उसे याद कराना ही हो। अब अगले कुछ दिनों तक बच्चे से वह नंबर नियमित रूप से पूछती रहें। खेल-खेल में उसकी याददाश्त बढ़ेगी।'

इस एक्सरसाइज में बच्चा बेडरूम में ही कहीं भी अपना पसंदीदा खिलौना रख कर आएगा और दूसरे दिन उसे वहां से लेकर भी आएगा। वो भूल ना पाए, इसके लिए आपको संकेत देते रहने होंगे। बच्चे से कहिए कि वो बेडरूम की किसी खास ड्राअर में अपना खिलौना रखे। कुछ देर बाद या दूसरे दिन उससे वही खिलौना लाने के लिए बोलें। इस तरह से वो जब भी अपना सामान कहीं रखेगा तो जगह याद रखेगा। दोबारा उसे वो जगह सोचनी नहीं पड़ेगी।'

होमवर्क खुशी से करेंगे बच्चे..

बच्चों से होमवर्क कराना अभिभावकों के लिए कठिन टास्क होता है। सही मायने में यह किसी चुनौती से कम नहीं। बच्चे स्कूल में भले पढ़ लें, लेकिन घर पर होमवर्क कराना मां के लिए बेहद कठिन होता है। उनके पास होमवर्क न करने के तमाम बहाने होते हैं। ऐसे में कौन-सा तरीका अपनाया जाए, जिससे होमवर्क से बच्चों की

प्रेरित करें

आमतौर पर बच्चों से काम पूरे करने के बदले अभिभावक उनकी फरमाइश पूरी करने का वादा करते हैं, लेकिन बाद में टाल देते हैं। ऐसे में बच्चे का आप पर भरोसा कम होने लगता है। उसे प्रोत्साहित करें। हमेशा अपनी सुविधा और समय का ही ख्याल न रखें, बच्चे के मूड पर भी ध्यान दें। बच्चे के साथ अपना समय बितायें।

होमवर्क की अहमियत समझाएं

बच्चों को होमवर्क की अहमियत समझाना जरूरी है। कई अभिभावक बच्चों का होमवर्क खुद कर देते हैं। ऐसा न करें, बच्चे को उसकी जिम्मेदारी समझाएं। धीरे-धीरे उनमें होमवर्क समय पर करने की आदत पड़ेगी। कोर्स से हट कर भी किताबें उनके लिए लाएं, जो रोचक हों। खेल-खेल में पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रतिदिन अभ्यास जरुरी

बच्चों की पढ़ाई का समय तय करें और उस समय उन्हें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। चाहे उसे स्कूल से होमवर्क मिले या न मिले, लेकिन उसके रूटीन को टूटने न दें। लिखने का प्रैक्टिस भी बहुत जरूरी है। साथ बैठे, उन्हें काम देकर रसोईघर या फोन पर बातें न करने लगें।

पढ़ाई को रोचक बनाना बहुत जरूरी है

बच्चों को समय देना बहुत जरूरी है। पढ़ाई को रोचक बनाने का प्रयास करें। जैसे अगर आप उसे बटरफ्लाई की लाइफ साइकिल के बारे में पढ़ा रही हैं, तो केवल बुक पर निर्भर न रहें, बल्कि यूट्यूब पर इससे जुड़े विडियो भी दिखाएं, रोचक जानकारियां जुटाएं, चार्ट बनाकर उनकी जानकारी बढ़ाएं।

रूटीन बनाएं, दबाव न डालें

अभिभावक बच्चों के होमवर्क के लिए परेशान हो जाते हैं, उनपर दबाव बनाते हैं। इससे बच्चों के मन में डर पैदा हो सकता है, और वे पढाई से दूर भागने लगते हैं। पढ़ने का समय तय करें और उस समय खुद को फ्री रखें।

बच्चों के लिए जरुरी है माउथ-फ्रेशनर

अगर आज मानते हैं कि माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता केवल बड़ों को होती है तो अपना विचार बदल दें। इसका कारण है कि बच्चों के भी दांत खराब हो सकते हैं इसलिए हमारी तरह ही छोटे बच्चों को भी माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता होती है पर बाजार में बिकने वाले माउथ फ्रेशनर उनके लिए नुकसानदेह हो सकते हैं क्योंकि उनमें बहुत अधिक मात्रा में रसायन होते हैं।

ऐसे में उनके लिए एक ऐसा माउथ फ्रेशनर होना चाहिए जो पूरी तरह प्राकृतिक हो और स्वाद में भी कड़वा न हो। आप चाहें तो अपने बच्चों के लिए घर पर ही माउथ फ्रेशनर तैयार कर सकती हैं। अनार के छिलकों का इस्तेमाल करके माउथ फ्रेशनर बनाया जा सकता है। ये माउथ फ्रेशनर न केवल बच्चों के लिए फायदेमंद रहेगा बल्किर बड़े भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.

अनार के छिलके में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाया जाता है, जो ओरल हेल्थ के लिए अच्छा होता है। अनार के छिलके से तैयार माउथ फ्रेशनर मुंह के अल्सर और मुंह की दुर्गंध को दूर करने का काम करता है।

अनार का एंटी-माइक्रोबायल एक्टिविटी स्ट्रेपटोकोक्स म्यूटेन बैक्टीरि?या को पनपने नहीं देता है. कैसे तैयार करें अनार के छिलके का माउथ फ्रेशनर?

अनार को काटकर उसके दानों को सफाई से निकाल लें. अनार के छिलके को धूप में सूखने के लिए रख दें।

जब छिलके पूरी तरह सूख जाएं तो उन्हें पीसकर पाउडर तैयार कर लें।

एक गिलास पानी में एक चम्मच इस पाउडर को मिलाकर उबालें। इसे ठंडा होने दें। जब ये घोल ठंडा हो जाए तो इस छान लें।

इस तरल को किसी जार या शीशी में भरकर रख दें। आपका माउथ फ्रेशनर तैयार है. बच्चा जब भी कुछ खाए तो उसे माउथ फ्रेशनर से मुंह साफ करने की आदत डालें। ऐसा करने से दांतों में कैविटी की समस्या भी नहीं होगी।

समय से पहले युवा होते किशोरों में घट रही सीखने की क्षमता

समय से पहले युवा होने वाले किशोरों में सीखने की क्षमता कम होती है। आजकल जिस प्रकार मिलावट हो रही है और खानपान में रसायनों का प्रयोग बढ़ राह है उससे बच्चे समय से पहले किशोर हो रहे हैं। हाल में हुए एक ताजा अध्ययन के अनुसार युवावस्था के दौरान प्यूबर्टी (यौवन से संबंधित) हॉर्मोन सीखने की क्षमता को बाधित करते हैं।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस तरह का बदलाव ये हॉर्मोन मस्तिष्क के एक खास हिस्से को प्रभावित करते हैं।

बार्कले स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में एसोसिएट प्रोफेसर व अध्ययन की मुख्य लेखक लिंडा विलब्रेख्त ने कहा,हमने पाया है कि यौवन से संबंधित हॉर्मोन मस्तिष्क के फ्रंटल कॉर्टेक्स के लिए एक लिंक की तरह काम करता है, जो सीखने की क्षमता में बाधा पैदा करता है।

विलब्रेख्त ने कहा, आधुनिक शहरी परिवेश में लड़कियां तनाव और मोटापे की समस्या के कारण समय से पहले बड़ी हो रही हैं, जो स्कूलों में उनके खराब प्रदर्शन और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा है।

जानवरों में जब प्यूबर्टी से संबंधित हॉर्मोन इंजेक्ट किया गया, तो शोधकर्ताओं ने उनके फ्रंटल कॉर्टेक्स के तंत्रिका संचार में महत्वपूर्ण बदलाव देखा। ये बदलाव फ्रंटल मस्तिष्क में हुए, जो सीखने, ध्यान देने तथा स्वभाव के नियंत्रण से जुड़ा है।

अध्ययन का नेतृत्व करने वाले लेखक ने कहा, हमारी जानकारी में यह पहला अध्ययन है, जो यह दर्शाने में कामयाब हुआ है कि यौवन से संबंधित हॉर्मोन कॉर्टेक्स के तंत्रिका संचार में बदलाव लाते हैं।

बच्चों को नुकसान पहुंचाने वाले उत्पाद न लें

घर में छोटे बच्चे हो तो हर सदस्य का ध्यान उसकी तरफ ही रहता है। बच्चे के लिए घर में कई तरह के खिलौने भी लाए जाते हैं। उसके लिए साइकिल,वॉकर,छोटे-छोटे खिलौने ला कर रख दिये जाते हैं। कई बार बच्चे के प्यार में जाने-अनजाने अभिभावक कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं,जिससे बच्चे की सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। आपके घर में भी छोटा बच्चा है। तो इन बातों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। आपके लिए जानना जरूरी है कि कौन से बच्चों के उत्पाद नुकसान पहुंचा रहे हैं।

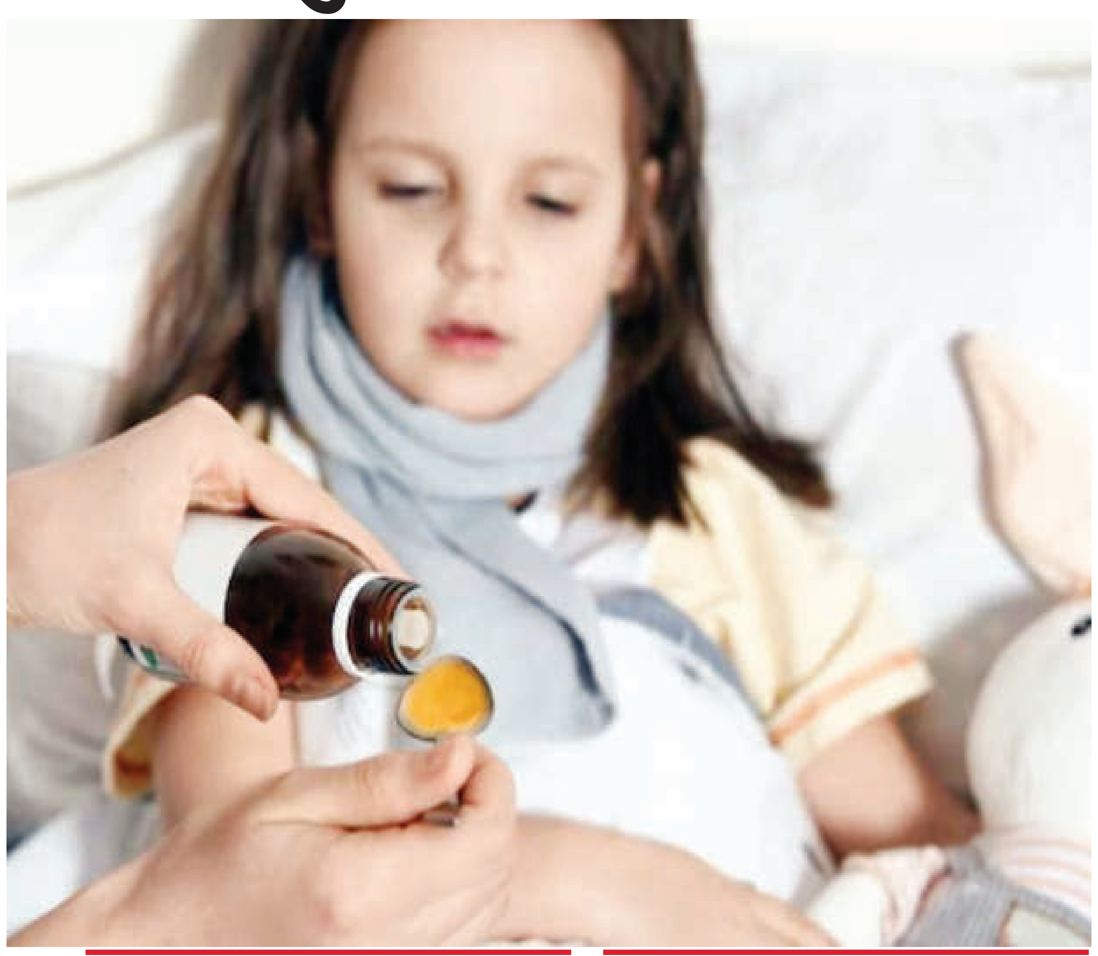

टीथर

बच्चे रंग-बिरंगे खिलौने देखकर बहुत खुश होते हैं और हर चीज को मुंह में डालते हैं। आप शायद इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इस खिलौने से बच्चे को संक्रमण होने का डर रहता है। बच्चे को यह खिलौने देने से पहले इस पर धूल मिट्टी के कण पड़े होते हैं। जिसे बहुत से लोग बार-बार साफ नहीं करते और कई बार तो बडे लोगों के हाथ के कीटाणु भी इस पर लग जाते हैं। जिससे बच्चे को उल्टी, पेटदर्द, दस्त जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

वाकर

बच्चा जल्दी चलना सीख लें इसलिए ज्यादातर लोग बच्चे को वॉकर लाकर दे देते हैं। माना जाता है कि इसमें बैठकर वह जल्दी चलना सीख जाते हैं और मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं। एक शोध में यह बात सामने आई है कि इससे बच्चे को खुद का बैलेंस बनाने में परेशानी होने लगती है। वह डर-डर कर जमीन पर अपने पांव रखता है।

दूध की बोतल

छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही सही आहार है। कुछ कामकाजी औरतें बच्चे बोतल से दूध पिलाती हैं। इससे बच्चे के पेट में हवा भर जाती है,जिससे उसे पेट गैस की परेशानी हो सकती है। अगर बोतल में दूध पिला रहे हैं तो साफ-सफाई का भी बहुत ध्यान रखने की जरूरत है। दूध पिलाने से पहले बोतल को जरूर उबाल लें।

संक्षिप्त समाचार

भारत की अनाहत सिंह ने दूसरे दौर में जगह बनाई

न्यूयॉर्क। पीएसए प्लैटिनम इवेंट, स्प्रॉट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस में भारत की अनाहत सिंह ने इंग्लैंड की लूसी टुरमेल को हराकर दूसरे राउंड में पहुंच गए है। उनकी जीत में दमदार बेसलाइन गेम और निर्णायक फोरहैंड शॉट्स का बड़ा योगदान रहा। अनाहत का अगला मुकाबला जापान की छठी सीड सतोमी वतनबे से होगा। अनाहत के प्रदर्शन ने उनकी लगातार मेहनत और अनुभव को दिखाया है। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में बर्मिंघम यूनिवर्सिटी में हुए ब्रिटिश जूनियर ओपन में महिलाओं के अंडर-19 फाइनल में शानदार खेल दिखाया था। फ्रांस की दूसरी सीड लॉरेन बाल्टायान से उन्हें हार मिली थी, जो उनके नौवें बीजेओ फाइनल में था। सेमीफाइनल में उन्होंने मिस्र की मलिका एल कराक्सी को सिर्फ 28 मिनट में हराया था। दिल्ली की इस युवा खिलाड़ी ने 2025 में पीएसए टूर में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

तीसरे टी20 में अजेय बढ़त पर टीम इंडिया की नजर

गुवाहाटी। पहले दोनों मुकाबले आसानी से जीतकर आत्मविश्वास से लबरेज भारतीय टीम रविवार को यहां होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी। इस मैच में जहां भारत की नजर सीरीज पर कब्जा जमाने पर होगी, वहीं सबसे ज्यादा चर्चा संजू सैमसन के प्रदर्शन को लेकर है, क्योंकि पिछले मैच में ईशान किशन की विस्फोटक वापसी ने टीम संयोजन को लेकर बहस तेज कर दी है। किशन की शानदार पारी के बाद यह सवाल फिर से खड़ा हो गया है कि अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के लिए टीम प्रबंधन किस पर भरोसा जताएगा।

लीग क्रिकेट में जलवा बरकरार रखेंगे डेविड वॉर्नर

सिडनी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर फिलहाल लीग क्रिकेट में अपना दबदबा बनाए रखने के इरादे से मैदान पर उतरते रहेंगे। बिग बैश लीग (बीबीएल) के मौजूदा सीजन में सिडनी थंडर के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले वॉर्नर ने अगले सीजन के लिए भी टीम के साथ करार बढ़ा लिया है। सिडनी थंडर ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की, जिससे फैंस में एक बार फिर उत्साह देखने को मिला। 39 वर्षीय डेविड वॉर्नर ने एक साल का करार बढ़ने पर खुशी जताते हुए कहा कि वह थंडर के साथ एक और सीजन खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि टीम के लिए यह सीजन आसान नहीं रहा और प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा।

न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया, आयुष म्हात्रे की फिफ्टी, अंबरीश को 4 विकेट

अंडर-19 वर्ल्डकप में भारत की लगातार तीसरी जीत

बुलावायो ■ एजेंसी

भारत ने जिम्बाब्वे के बुलावायो में चल रहे अंडर-19 वर्ल्ड कप में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। टीम ने शनिवार को न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। भारतीय टीम ने 130 रन का संशोधित लक्ष्य 13.3 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया।

कप्तान आयुष म्हात्रे ने 27 बॉल पर 53 रन की पारी खेली। उनकी पारी में 2 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। आयुष के अलावा, वैभव सूर्यवंशी ने 23 बॉल पर 40 रन बनाए। उन्होंने 2 चौके और 3 छक्के लगाए। दोनों में फिफ्टी पार्टनरशिप हुई।

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 36.2 ओवर में 135 रन पर ऑलआउट हो गई। आरएस अंबरीश ने 4 विकेट झटके। जबकि हेनिल पटेल को 3 विकेट मिले। न्यूजीलैंड से कैलम सैमसन ने नाबाद 37 और सेल्विन संजय ने 28 रन की पारियां खेलीं। दोनों ने 8वें विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की।

बारिश के कारण 37-37 ओवर का मैच न्यूजीलैंड ने भारत को 136 रन का टारगेट दिया था, जिसे रिवाइज्ड करके 130 रन कर दिया गया। क्योंकि, बारिश के कारण मैच देरी से शुरू हुआ।

फिर इसे रोकना भी पड़ा था।

इंडिया के मैच विनर्स: वैभव ने सरफराज खान को पीछे छोड़ा वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की सूची में सरफराज खान को पीछे छोड़ दिया है। वैभव अब छठे नंबर पर हैं। वैभव के नाम 1087 रन हो गए हैं। जबकि सरफराज के नाम 1080 रन हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग-XI: भारत- आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, एरोन जॉर्ज, विहान मल्होत्रा, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, मोहम्मद इनान, हेनिल पटेल, खिलन पटेल।

न्यूजीलैंड- टॉम जोन्स (कप्तान), आर्यन मान, ह्यूगो बोग, स्नेहित रेड्डी, मार्को विलियम एल्पे (विकेटकीपर), जैकब कॉटर, जसकरन संधू, कैलम सैमसन, फ्लिन मोरे, सेल्विन संजय, मेसन क्लार्क।

वेदांत त्रिवेदी के बल्ले से निकली जीत: 14वें ओवर की तीसरी बॉल पर वेदांत त्रिवेदी ने एक रन लेकर भारत को 7 विकेट की जीत दिला दी।

आयुष म्हात्रे फिफ्टी बनाकर आउट: 10वें ओवर में भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे फिफ्टी बनाकर आउट हो गए। उन्होंने सेल्विन संजय की शुरुआती दो बॉल पर दो छक्के लगाकर फिफ्टी पूरी की। फिर 5वीं बॉल पर फ्लिन मोरे को कैच थमा बैठे। उन्होंने 53 रन बनाए।

वैभव सूर्यवंशी 40 रन बनाकर आउट: 9वें ओवर की पहली बॉल पर भारत ने दूसरा विकेट गंवाया। यहां पर वैभव सूर्यवंशी 40 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जसकरन संधू ने मेसन क्लार्क के हाथों कैच कराया। इसी के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक हुई।

सूर्यवंशी और म्हात्रे में फिफ्टी पार्टनरशिप: 7वें ओवर में वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे ने दूसरे विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी कर ली। जसकरन संधू की आखिरी बॉल पर आयुष म्हात्रे ने छक्का लगाकर साझेदारी को 50 पार पहुंचाया।

भारत का स्कोर 50 पार, म्हात्रे ने 2 छक्के लगाए: छठे ओवर में भारतीय टीम ने 50 रन का आंकड़ा पार कर लिया। कप्तान आयुष म्हात्रे ने मेसन क्लार्क के ओवर में दो छक्के लगाकर टीम स्कोर 50 पार पहुंचा दिया।

आईटीएफ जे-60 जूनियर टेनिस, मयंक की 'मैराथन' जीत, कनिष्क और किशोर मुख्य ड्रॉ के करीब

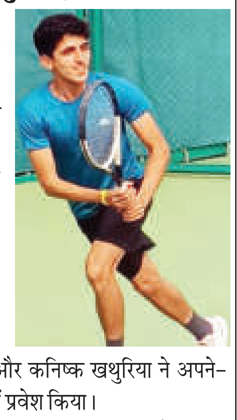

इंदौर। टेनिस प्रेमियों के लिए शनिवार का दिन अंतरराष्ट्रीय रोमांच से भरा रहा। मध्यप्रदेश टेनिस एसोसिएशन द्वारा आयोजित एवं यलो डायमंड द्वारा प्रायोजित 'इंटरनेशनल वर्ल्ड टेनिस टूर जूनियर आईटीएफ जे-60 (ग्रेड-4)' चैंपियनशिप का इंदौर टेनिस क्लब के सिंथेटिक कोर्ट पर सनसनीखेज आगाज़ हुआ। क्वालीफाइंग राउंड के पहले दिन स्थानीय खिलाड़ियों ने न केवल अपना दमखम दिखाया, बल्कि कई शीर्ष वरीय खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता दिखाकर टूर्नामेंट में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। म.प्र. के मयंक राजन और कनिष्क खथुरिया ने अपने-अपने वर्गों में उम्दा खेल दिखाते हुए दूसरे दौर में प्रवेश किया।

मयंक की साहसी वापसी, कनिष्क की जीत: बालक वर्ग में म.प्र. के वाइल्ड कार्ड धारक मयंक राजन और वीर महाजन के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मयंक ने पहला सेट 1-6 से गंवाने के बाद जबरदस्त मानसिक शक्ति का परिचय दिया। उन्होंने दूसरा सेट 6-2 से जीतकर मैच को सुपर टाईब्रेक में खींचा और अंततः 11-9 से रोमांचक जीत दर्ज की। पांचवीं वरीयता प्राप्त कनिष्क खथुरिया ने अर्नव खंडेलवाल के विरुद्ध आक्रामक रणनीति अपनाते हुए सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से मुकाबला अपने नाम किया। वहीं, शीर्ष वरीय किशोर श्रीराम ने म.प्र. के युग जैन को 6-4, 6-2 से हराकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की।

शार्दुल और सक्षम ने किए बड़े उलटफेर: शनिवार का दिन वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। शार्दुल खवाले ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए चौथी वरीयता प्राप्त ईशान देव को 6-2, 3-6, 10-4 से हराकर बाहर कर दिया। सक्षम भंसाली ने भी आठवीं वरीय आरव गलवा को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से पराजित किया।

चंडीगढ़ ने केरल को पारी और 92 रन से हराया, दिल्ली को हरा सकता है छत्तीसगढ़

रणजी ट्रॉफी- मोहम्मद शमी को 5 विकेट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रणजी ट्रॉफी में छठे राउंड के मुकाबले खेले जा रहे हैं। शनिवार को मुकाबले के तीसरे दिन चंडीगढ़ ने पिछली रनर-अप केरल को पारी और 92 रन से हरा दिया। बंगाल के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने 5 विकेट लेकर अपनी टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया। छत्तीसगढ़ भी दिल्ली को हराने के करीब है।

ग्रुप-ए: झारखंड तीसरी जीत के करीब झारखंड तीसरे दिन ही उत्तर प्रदेश को हराने के बेहद करीब पहुंच गई है। पहले पारी में 561 रन बनाने के बाद टीम ने यूपी को 176 रन पर समेट दिया। फिर दूसरी पारी में 69 रन पर उनके 7 विकेट भी गिरा दिए। झारखंड 2 मैच पहले से जीत चुकी है। विदर्भ के खिलाफ जीत के लिए आंध्र प्रदेश को 259 रन का टारगेट मिला। टीम ने 1 विकेट खोकर 93 रन भी बना लिए। केएस भरत 27 और शैख रशीद 50 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। टीम को आखिरी दिन 166 रन चाहिए। दोनों ही टीमें पॉइंट्स टेबल के

टॉप-2 पोजिशन पर है, जीतने वाली टीम नंबर-1 पर आ जाएगी।

ग्रुप-बी: कर्नाटक को हरा सकता है मध्य प्रदेश अलुर में मध्य प्रदेश ने 323 रन बनाने के बाद कर्नाटक को 191 रन पर ऑलआउट भी कर दिया। एमपी ने फिर अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट खोकर 204 रन बना लिए। हिमांशु मंत्री 89 और आर्यन पांडे 13 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। टीम 326 रन से आगे है।

महाराष्ट्र ने गोवा के खिलाफ 209 रन के सामने 350 रन बना दिए। गोवा ने फिर अपनी दूसरी पारी में 210 रन पर 6 विकेट गंवा दिए। दर्शन मिसल 52 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। गोवा अब 69 रन से आगे है। ग्रुप-बी में चंडीगढ़ ने पिछले सीजन की रनर-अप केरल को पारी और 92 रन से हरा दिया। केरल दोनों ही पारियों में 200 रन का आंकड़ा नहीं छू सकी। चंडीगढ़ ने पहली पारी में 416 रन बनाए थे। सौराष्ट्र ने भी पंजाब को 194 रन से हरा दिया। पॉइंट्स टेबल में कर्नाटक पहले और सौराष्ट्र दूसरे नंबर पर है।

ग्रुप-सी: जीत के करीब पहुंचा बंगाल ग्रुप की टॉप-2 टीमें बंगाल और सर्विसेज कल्याणी में एक-दूसरे से भिड़ रही हैं। पहले बैटिंग करते हुए बंगाल ने 519 रन बना दिए। सर्विसेज पहली पारी में 186 पर सिमट गया। टीम ने दूसरी पारी में भी 231 रन पर ही 8 विकेट गंवा दिए हैं। मोहम्मद शमी को 5 विकेट मिले। हरियाणा के खिलाफ असम ने 147 रन की बढ़त बना ली है। पहली पारी में हरियाणा ने 236 और असम ने 247 रन बना लिए। असम के 3 विकेट बाकी है, पॉइंट्स टेबल में आगे बढ़ने के लिए हरियाणा को जीत चाहिए। टीम फिलहाल 18 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर है।

खेल स्टेडियम पर स्तरीय कबड्डी एवं क्रिकेट प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्साह से लिया भाग

भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा एवं विधायक डॉक्टर प्रभु राम चौधरी ने विजेता एवं उप विजेता खिलाड़ियों को बांटे पुरस्कार

रायसेन ■ निसं

जिला मुख्यालय स्थित खेल स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव 2025 के अनुसार आयोजन 23 एवं 24 जनवरी को विधानसभा स्तरीय कबड्डी एवं क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसी क्रम में विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव के समापन अवसर पर अतिथि के तौर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा एवं विधायक डॉक्टर प्रभुराम चौधरी उपस्थित रहे । इस अवसर पर अतिथियो के द्वारा विजेता एंव उप विजेता पुरूष एवं महिला खिलाड़ियों को पृरूस्कृत किया गया । अयोजित हुई प्रतियोगिता में 8 मण्डलों की टीमों ने सहभागिता की जिसमें पुरूष वर्ग में विजेता रायसेन मण्डल, उपविजेता देहगॉव एवं तृतीय स्थान पर सॉचेत मण्डल रहा। वही महिला क्रिकेट में 3 टीमों ने भाग लिया, जिसमें विजेता गैरतगंज मण्डल, उप विजेता सॉची मण्डल एवं तृतीय स्थान पर रायसेन

मण्डल रहा है । इसी तरह कबडड़ी प्रतियोगिता पुरूष वर्ग में 5 मण्डलों की टीमों ने भाग लिया, जिसमें विजेता सॉची मण्डल, उप विजेता खरबई मण्डल एवं तृतीय गैरतगंज मण्डल का रहा । इसी तरह कबड्डी महिला वर्ग में मण्डल से 7 टीमों ने भाग लिया था जिसमें विजेता सूखा करार सॉची मण्डल एवं उपविजेता सम्राट क्लब सॉची एवं तृतीय स्थान शासकीय कन्या शाला सॉची रहीं ।

व्यक्तिगत पुरूस्कार में बालक वर्ग कबड्डी में जीतेन्द्र जाट मेन ऑ द टूनामेंट का पुरूस्कार एवं बेस्ट रेडर' धर्मराज एवं बेस्ट कैचर शेर सिंह रहें । इसी प्रकार महिला वर्ग कबड्डी में राधिका मेन ऑ द टूनामेंट इसके साथ ही रागिनी लावरिया बेस्ट रैडर एवं बेस्ट कैचर भूमिका लोधी रहीं । विजेता टीम 1 व 2 फरवरी 2025 को समापन अवसर लोकसभा क्षेत्र की अन्य टीमों के साथ खेलेगी।

व्यापार समाचार

टैरिफ संकट के बीच केंद्र का बड़ा दांव

विनिर्माण बढ़ाकर 2035 तक निर्यात तीन गुना करने का लक्ष्य

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वैश्विक टैरिफ संकट के बीच केंद्र सरकार 15 प्रमुख क्षेत्रों में विनिर्माण बढ़ाकर 2035 तक निर्यात तीन गुना करने की योजना बना रही है। लालफीताशाही घटाने और हब विकसित करने पर जोर है।

वैश्विक अनिश्चितता और उच्च टैरिफ संकट के बीच भारत भारी खर्च करने के बजाय रणनीतिक बदलावों के जरिये विनिर्माण को बढ़ावा देकर 2035 तक देश के निर्यात को तीन गुना करने की योजना बना रहा है। दो सरकारी अधिकारियों ने बताया, इसके लिए प्रधानमंत्री की तीसरी ऐसी कोशिश में देश 15 क्षेत्रों में विनिर्माण को प्राथमिकता दे रहा है, जिसमें हाई-एंड सेमीकंडक्टर, मेटल और श्रम आधारित लेदर इंडस्ट्री शामिल हैं। इसका मकसद भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ाना

और माल निर्यात को सालाना 1.3 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचाना है।

दरअसल, मोदी सरकार जीडीपी में विनिर्माण का हिस्सा दोगुना कर 25 फीसदी करने में दो बार नाकाम रही है। पहला...2014 में मेक इन इंडिया अभियान के जरिये और दूसरा... 2020 में 23 अरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज के साथ। नीति निर्माताओं में शामिल एक अधिकारी ने बताया, पिछले कुछ वर्षों में सरकार की कई पहलों के बावजूद विनिर्माण में धीमी वृद्धि देखने को मिली है। अब तीसरी कोशिश में बदलाव लाने के लिए एक साहसिक, फोकस्ड और एकजुट रणनीति की जरूरत है।

लालफीताशाही कम करने पर जोर: अधिकारियों ने बताया, सरकार ने योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए एक पैनल बनाया है, जिसका फोकस बड़ी परियोजनाओं के लिए तेज नियामकीय मंजूरी, जमीन और सस्ता फाइनेंस उपलब्ध कराने पर होगा। इस पैनल की अध्यक्षता एक मंत्री करेंगे, जिसमें कैबिनेट सचिव सहित नौकरशाह भी शामिल होंगे। विनिर्माण हब की पहचान मौजूदा इन्फ्रा, भौगोलिक फायदों और बंदरगाहों से नजदीकी के आधार पर की गई है। यह पैनल विनिर्माण हब के लिए सस्ती बिजली आपूर्ति कराने को राज्यों के साथ काम करेगा।

विनिर्माण हब पर खर्च होंगे 100 अरब रुपये: अधिकारियों ने बताया, सरकार लक्षित क्षेत्रों में करीब 30 विनिर्माण हब के लिए बुनियादी ढांचा बनाने पर लगभग 100 अरब रुपये खर्च करेगी। वहीं, चिप्स और एनर्जी स्टोरेज जैसे एडवांस्ड एरिया के लिए 21.8 करोड़ डॉलर का ग्रांट देगी।

भारत पहुंचीं यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर

फ्री ट्रेड और डिफेंस डील पर लगेगी मुहर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष भारत पहुंच गई हैं। वह गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि होंगीं। 27 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) और डिफेंस पैक्ट पर मुहर लगने की उम्मीद है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के रिश्तों में एक नया और बड़ा अध्याय जुड़ने जा रहा है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन अपनी चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंच गई हैं। उनके साथ-साथ यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा भी रविवार को दिल्ली पहुंच रहे हैं।

यह यात्रा भारत के लिए दो वजहों से खास है- पहला, ये दोनों यूरोपीय दिग्गज 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे, और दूसरा, 27 जनवरी को होने वाली बैठक में कई बड़े व्यापारिक समझौतों पर मुहर लग सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय नेताओं के बीच होने वाली इस शिखर वार्ता में सबसे बड़ा आकर्षण 'मुक्त व्यापार समझौता' है। सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय से अटके इस समझौते के पूरा होने की घोषणा इस बैठक में की जा सकती है।

इसके अलावा दो और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समझौतों की उम्मीद है: रक्षा साझेदारी: दोनों पक्ष एक रणनीतिक रक्षा समझौते को अंतिम रूप देंगे।

2. नौकरी और मोबिलिटी: भारतीय पेशेवरों के लिए

यूरोप में काम करना और आना-जाना आसान बनाने के लिए एक 'मोबिलिटी फ्रेमवर्क' तैयार किया जाएगा।

क्यों महत्वपूर्ण है यह डील?: यूरोपीय संघ एक ब्लॉक के रूप में भारत का सबसे बड़ा 'गुड्स ट्रेडिंग पार्टनर' (सामान का व्यापार करने वाला साझेदार) है।

व्यापार के आंकड़े: वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और ईयू के बीच कुल 136 अरब डॉलर (करीब 11 लाख करोड़ रुपये) का व्यापार हुआ।

भारत का फायदा: अच्छी बात यह है कि भारत ने इसमें 76 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि आयात 60 अरब डॉलर रहा।

वैश्विक संकेत यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका में ट्रंप प्रशासन की आर्थिक और सुरक्षा नीतियों के कारण वैश्विक स्तर पर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। ऐसे में दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र-भारत और यूरोपीय संघ-आपसी विश्वास और साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने हवाई अड्डे पर उर्सुला वॉन डेर लेन का स्वागत किया।

बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली का दबदबा रहा

मुंबई। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक प्रभाव रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों ने बाजार की गिरावट को बढ़ावा दिया। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में हफ्ते के दौरान उतार-चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन कुल मिलाकर सप्ताह लाल निशान पर समाप्त हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को निवेशकों की सतर्कता और बिकवाली के दबाव के साथ हुई। सेंसेक्स 83,246.18 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 25,585.50 अंक पर आ गया। मंगलवार को विदेशी निवेशकों की निकासी के चलते सेंसेक्स ने 1,065.71 अंकों की भारी गिरावट दर्ज की और सप्ताह का सबसे कमजोर दिन बन गया। निफ्टी भी 353 अंक फिसलकर 25,232.50 पर बंद हुआ। बुधवार को बाजार में इंट्रा-डे दौरान सेंसेक्स 81,124.45 तक लुढ़क गया, लेकिन अंतत: 81,909.63 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में भी गिरावट जारी रही और यह 25,157.50 अंक पर बंद हुआ।

राज्यों का घाटा बढ़कर जीडीपी का 3.3 फीसदी हुआ: आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यों का एकीकृत राजकोषीय घाटा बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.3 प्रतिशत हो गया है, जबकि पिछले तीन वर्षों में यह 3 प्रतिशत पर था। आरबीआई ने यह आंकड़ा सभी राज्यों द्वारा पेश किए गए बजट का विश्लेषण करने के बाद जारी किया। घाटे में बढ़ोतरी का मुख्य कारण केंद्र सरकार की विशेष सहायता योजना के तहत राज्यों द्वारा लिए गए 50 वर्षीय ब्याज-मुक्त ऋण हैं। यह ऋण राज्यों की सामान्य शुद्ध ऋण सीमा से अतिरिक्त है।

वीजा भारत में फ्लेक्स कार्ड लाने की कर रही तैयारी

नई दिल्ली। वीजा जल्द ही भारत में अपने नए फ्लेक्सिबल क्रेडेंशियल कार्ड को पेश करने की तैयारी कर रही है। यह कार्ड क्रेडिट और डेबिट दोनों के लिए एक ही 16 अंकों वाले क्रेडेंशियल का उपयोग करेगा। इससे कार्डधारकों को अलग-अलग कार्ड रखने की जरूरत नहीं होगी और भुगतान आसान होगा। वीजा फ्लेक्स का उपयोग लेनदेन की राशि, मर्चेंट के प्रकार और बैंक की जोखिम क्षमता के आधार पर किया जा सकेगा। छोटे खर्चों के लिए कार्ड को डेबिट के रूप में और बड़े खर्चों के लिए क्रेडिट के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा।

केरल में अदाणी समूह का 30000 करोड़ का 'मेगा प्लान'

विझिंजम बनेगा देश का सबसे बड़ा ट्रांसशिपमेंट हब

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अदाणी पोर्ट्स केरल के विझिंजम पोर्ट में 30,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। करण अदाणी ने 2029 तक क्षमता 57 लाख ञ्चश्वह्य करने और इसे सबसे बड़ा ट्रांसशिपमेंट हब बनाने की घोषणा की।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने भारत के समुद्री व्यापार के नक्शे को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अदाणी ने शनिवार को घोषणा की कि विझिंजम बंदरगाह के विकास में कुल 30,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। यह केरल राज्य के इतिहास में किसी भी बिजनेस घराने द्वारा किया गया अब तक का सबसे बड़ा निवेश है।

क्षमता में पांच गुना से ज्यादा बढ़ोतरी: इस विशाल निवेश का ब्लूप्रिंट साझा करते हुए करण अदाणी ने बताया कि कंपनी दूसरे चरण के तहत 16,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करेगी। इस निवेश का मुख्य उद्देश्य बंदरगाह की क्षमता को कई गुना बढ़ाना है। योजना के मुताबिक, साल 2029 तक विझिंजम पोर्ट की क्षमता 10 लाख TEUs (कंटेनर यूनिट) से बढ़कर 57 लाख TEUs हो जाएगी।

तकनीकी रूप से होगा भारत का सबसे उन्नत बंदरगाह: अदाणी समूह का लक्ष्य विझिंजम को भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा ट्रांसशिपमेंट पोर्ट बनाना है, जहां बड़े जहाज अपना माल उतार और चढ़ा सकें। करण अदाणी ने कहा कि यह भारत का सबसे तकनीकी रूप से उन्नत बंदरगाह होगा। उन्होंने इसे भविष्य के भारतीय बंदरगाहों के संचालन के लिए एक 'लाइटहाउस' (मार्गदर्शक) करार दिया।

अदाणी समूह ने परियोजना के बारे में क्या बताया: करण अदाणी ने प्रोजेक्ट की सफलता का श्रेय केरल के पूर्व और वर्तमान नेतृत्व को दिया।

युवाओं में बढ़ रहा हिप आर्थराइटिस, हिप प्रिज़र्वेशन तकनीक से टल सकेगा रिप्लेसमेंट

इंदौर ■ निसं

ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित तीसरे नेशनल हिप कोर्स और इंडोकॉन 2026 के दूसरे दिन देश-विदेश के हड्डी रोग विशेषज्ञों ने हिप जॉइंट की जटिलताओं और उनके आधुनिक उपचार पर मंथन किया। वैज्ञानिक सत्रों का मुख्य केंद्र हिप प्रिज़र्वेशन (कूल्हा संरक्षण) रहा, जिसे भविष्य में कूल्हा प्रत्यारोपण (रिप्लेसमेंट) की आवश्यकता को कम करने वाली क्रांतिकारी तकनीक माना जा रहा है। कॉन्फ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. हेमंत मंडोवरा के नेतृत्व में देशभर के युवा सर्जनों को आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण

दिया गया।

नागपुर के वरिष्ठ सर्जन डॉ. सुश्रुत बाभुलकर ने चौंकाने वाले तथ्य साझा करते हुए बताया कि पोस्ट-कोविड काल में हिप आर्थराइटिस के मामलों में 25 से 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बिना किसी चोट के भी युवा मरीज कूल्हे की समस्याओं से जूझ रहे हैं। वहीं, गुजरात से आए विशेषज्ञ डॉ. कश्यप ने आगाह किया कि दवाओं के ओवरडोज़ और अत्यधिक अल्कोहल के सेवन से कूल्हे के जोड़ की रक्त-आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे जोड़ की प्राकृतिक संरचना नष्ट हो रही है।

हिप प्रिज़र्वेशन : युवाओं के लिए वरदान: इंग्लैंड से आए डॉ. अजय मालवीया ने बताया कि हिप डिस्प्लेशिया (बॉल-एंड-सॉकेट जॉइंट का बेमेल होना) युवाओं में दर्द का बड़ा कारण है। उन्होंने कहा कि यदि प्रारंभिक चरण में संरचनात्मक गड़बड़ी का पता चल जाए, तो हिप प्रिज़र्वेशन तकनीक से जोड़ को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है। यह तकनीक विशेष रूप से सक्रिय और युवा मरीजों के लिए प्रभावी है, क्योंकि यह बड़े ऑपरेशनों की ज़रूरत को काफी हद तक टाल देती है।

स्किल लैब में मिला व्यावहारिक प्रशिक्षण: दिन की शुरुआत इन्फेक्शन मॉड्यूल से हुई, जिसमें फ्रैक्चर और कृत्रिम जोड़ के संक्रमण (पीजेआई) के प्रबंधन पर चर्चा हुई। दोपहर बाद आयोजित स्किल लैब सत्र में प्रतिभागियों को 3-डी आधारित हिप तकनीकों और एंगल ब्लेड प्लेट का डेमो दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

आरआरयू में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक रिसर्च कॉन्फ्रेंस का दूसरा संस्करण 27 जनवरी से

गांधीनगर। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय(आरआरयू) स्थित भारत सेंटर ऑफ ओलंपिक रिसर्च एंड एजुकेशन (बीसीओआरई) में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक रिसर्च कॉन्फ्रेंस के दूसरे संस्करण का आयोजन 27 से 30 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। इसे अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से मान्यता प्राप्त है। इस प्रतिष्ठित सम्मेलन का उद्देश्य ओलंपिक अध्ययन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय विद्वानों, विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और शोधकर्ताओं को एक साझा मंच पर लाना है। यह सम्मेलन बीसीओआरई हर वर्ष इसी माह में आयोजित करता है। इसमें 15 देशों से आने वाले 55 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वक्ता और प्रस्तुतकर्ता भाग लेंगे। सम्मेलन में वैश्विक प्रशासन, पारदर्शिता, ओलंपिक आंदोलन, कॉमनवेल्थ गेम्स, एंटी-डोपिंग, किफायती खेल तकनीक समाधान, खेल शिक्षा का महत्व जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही ओलंपिक आंदोलन, खेल विज्ञान, नीति और शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर 100 से अधिक शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। इस वर्ष के सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण एंटी-डोपिंग पर केंद्रित विशेष कार्यशाला और चर्चा सत्र होगा, जिसका आयोजन नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (एनएडीए) के सहयोग से किया जाएगा।

नेपाली कांग्रेस ने नवनिर्वाचित पार्टी अध्यक्ष थापा को पीएम पद का उम्मीदवार घोषित किया

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष गगन थापा को पार्टी की तरफ से आगामी आम चुनाव के लिए प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार भी घोषित किया गया है। पार्टी मुख्यालय में गगन थापा के पदभार संभालने के बाद पार्टी ने औपचारिक रूप से इसकी घोषणा की। काठमांडू में आयोजित विशेष महाधिवेशन के माध्यम से थापा पार्टी अध्यक्ष चुने गए थे। पदभार संभालते ही उन्होंने अपना पहला औपचारिक संकल्प पत्र भी हस्ताक्षर किया, जिसमें आंतरिक सुधार और राष्ट्रीय रूपांतरण का वादा दोहराया गया। नव-निर्वाचित पदाधिकारियों और केंद्रीय सदस्यों के पदभार ग्रहण के बाद कांग्रेस की केंद्रीय कार्यसमिति की पहली बैठक में 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव के लिए उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नामित करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया। यह प्रस्ताव उपाध्यक्ष विश्वप्रकाश शर्मा ने रखा था, जिसका समर्थन उपाध्यक्ष पुष्पा भुसाल ने किया। शर्मा ने कहा, 'हमने संस्थागत रूप से गगन थापा को अगले प्रधानमंत्री के रूप में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया है।' नेपाल में परंपरागत रूप से चुनाव के बाद प्रधानमंत्री चुना जाता है लेकिन वर्तमान परिस्थिति में अलग दृष्टिकोण आवश्यक था।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार, एक्यूआई 192 दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता में निरंतर हो रहे सुधार के चलते शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का स्तर 200 के नीचे (192) आ गया। इस सुधार के बाद अब एक्यूआई 'मध्यम' श्रेणी में पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में आज एक्यूआई 192 दर्ज किया गया। गाजियाबाद का 203, नोएडा का 184, ग्रेटर नोएडा का 170, गुरुग्राम का 225 और फरीदाबाद का एक्यूआई 206 रहा, जो खराब श्रेणी में माना जाता है। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ स्थानों का एक्यूआई शुक्रवार की अपेक्षा आज 'बेहद खराब' श्रेणी से घटकर 'खराब' श्रेणी में पहुंच गया। कुछ जगहों का 'खराब' श्रेणी से घटकर 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज किया गया है। 'खराब' श्रेणी में शामिल इलाकों में से सीरी फोर्ट का शाम 4 बजे तक एक्यूआई 241, वजीरपुर का 234, आनंद विहार का 232, चांदनी चौक का 230, पंजाबी बाग का 226 रोहिणी का 213 और नरेला का 202 दर्ज किया गया।

बालिकाएं समाज की शक्ति व प्रगति का आधार : अन्नपूर्णा

नई दिल्ली। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि बालिकाएं समाज की शक्ति और प्रगति का आधार हैं। उनकी शिक्षा, सुरक्षा और समान अधिकार सुनिश्चित करना एक सशक्त राष्ट्र की पहचान है। शनिवार को राष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय निरंतर बालिकाओं के सर्वांगीण विकास, संरक्षण और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध भाव से कार्य कर रहा है। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर सभी को संकल्प लेना चाहिए कि हर बालिका को अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिले। इसके साथ उन्होंने आह्वान किया कि बालिकाओं के लिए सुरक्षित, समावेशी एवं सम्मानजनक वातावरण बनाया जाए जहां वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें।

तस्वीरों में कैद हुई

वैष्णो देवी में बर्फबारी का खूबसूरत नजारा त्रिकुटा पहाड़ियों पर जमी सफेद परत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में आज भी मौसम बेहद ठंडा और बिगड़ा हुआ है। मौसम विभाग ने केंद्र शासित प्रदेश में आज बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। इस बीच, माता वैष्णो देवी धाम से बर्फबारी की खूबसूरत तस्वीरें आई हैं, जिनमें त्रिकूट पर्वत और भवन क्षेत्र बर्फ की सफेद चादर में ढका नजर आ रहा है।

जम्मू-कश्मीर में आज भी मौसम बेहद ठंडा और बिगड़ा हुआ है। मौसम विभाग ने केंद्र शासित प्रदेश में आज बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। इस बीच, माता वैष्णो देवी धाम से बर्फबारी की खूबसूरत तस्वीरें आई हैं, जिनमें त्रिकूट पर्वत और भवन क्षेत्र बर्फ की सफेद चादर में ढका नजर आ रहा है।

हाल ही में हुई बर्फबारी के बाद पूरे इलाके में कड़ाके की ठंड का असर बना हुआ है। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की ओर से शेयर की गई इन तस्वीरों में मंदिर परिसर, यात्रा मार्ग और आस-पास की पहाड़ियां बर्फ से ढकी दिखाई दे रही हैं।हाल ही में हुई बर्फबारी के बाद पूरे इलाके में कड़ाके की ठंड का असर बना हुआ है। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की ओर से शेयर की गई इन तस्वीरों में मंदिर परिसर, यात्रा मार्ग और आस-पास की पहाड़ियां बर्फ से ढकी दिखाई दे रही हैं। त्रिकुटा पहाड़ियों में, जहां माता वैष्णो देवी का पवित्र तीर्थस्थल स्थित है, वहां बर्फबारी हुई, जिससे तीर्थयात्रियों और स्थानीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। भवन और आस-पास की पहाड़ियों सहित तीर्थस्थल के ऊपरी इलाकों में ताज़ी बर्फ की चादर बिछ गई, जिससे पूरा क्षेत्र एक मनमोहक सफेद परिदृश्य में तब्दील हो गया।

त्रिकुटा पहाड़ियों में, जहां माता वैष्णो देवी का पवित्र तीर्थस्थल स्थित है, वहां बर्फबारी हुई, जिससे तीर्थयात्रियों और स्थानीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। भवन और आस-पास की पहाड़ियों सहित तीर्थस्थल के ऊपरी इलाकों में ताज़ी बर्फ की चादर बिछ गई, जिससे पूरा क्षेत्र एक मनमोहक सफेद परिदृश्य में तब्दील हो गया।

मौसम विभाग के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की वजह से पहाड़ी इलाकों में ठंड और बर्फबारी का सिलसिला जारी है। हालांकि, आज 25 जनवरी को नई भारी बर्फबारी नहीं हुई है, लेकिन पहले की बर्फ अब भी जमी हुई है, जिससे तापमान काफी नीचे बना हुआ है। कटरा से लेकर भवन तक ठंडी हवाएं चल रही हैं और गलन महसूस की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की वजह से पहाड़ी इलाकों में ठंड और बर्फबारी का सिलसिला जारी है। हालांकि, आज 25 जनवरी को नई भारी बर्फबारी नहीं हुई है, लेकिन पहले की बर्फ अब भी जमी हुई है, जिससे तापमान काफी नीचे बना हुआ है। कटरा से लेकर भवन तक ठंडी हवाएं चल रही हैं और गलन महसूस की जा रही है।बर्फबारी के बाद प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। वैष्णो देवी यात्रा मार्गों पर फिसलन को देखते हुए सफाई और सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। वहीं, बर्फबारी की इन तस्वीरों को देखकर श्रद्धालुओं में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।बर्फबारी के बाद प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। वैष्णो देवी यात्रा मार्गों पर फिसलन को देखते हुए सफाई और सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। वहीं, बर्फबारी की इन तस्वीरों को देखकर श्रद्धालुओं में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।फिलहाल मौसम ठंडा बना रहने की संभावना है और आने वाले दिनों में एक और पश्चिमी विक्षोभ के असर से दोबारा बर्फबारी हो सकती है। ऐसे में श्रद्धालुओं को मौसम अपडेट पर नजर रखने और यात्रा के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। फिलहाल मौसम ठंडा बना रहने की संभावना है और आने वाले दिनों में एक और पश्चिमी विक्षोभ के असर से दोबारा बर्फबारी हो सकती है। ऐसे में श्रद्धालुओं को मौसम अपडेट पर नजर रखने और यात्रा के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के कारण और भी बर्फबारी होने की संभावना है। आने वाले दिनों में त्रिकूट पर्वत और आसपास के इलाकों में अधिक बर्फबारी हो सकती है, जिससे मौसम और भी सर्द हो जाएगा। इन दिनों में नए श्रद्धालुओं के लिए यात्रा थोड़ी कठिन हो सकती है, लेकिन जो इस अनुभव का हिस्सा बनते हैं, उनके लिए यह एक अविस्मरणीय यात्रा बन जाती है।

पुरुष सीआरपीएफ टुकड़ी का नेतृत्व करेंगी देश की पहली महिला अफसर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश के लिए गर्व का पल 26 जनवरी 2026 को देखने को मिलेगा, जब जम्मू-कश्मीर की 26 वर्षीय असिस्टेंट कमांडेंट सिमरन बाला गणतंत्र दिवस परेड में इतिहास रचेंगी. वह पहली महिला अधिकारी होंगी जो पूरी तरह पुरुषों से बनी टुकड़ी का नेतृत्व करते हुए कर्तव्य पथ पर मार्च करेंगी. सिमरन बाला 140 से अधिक पुरुष जवानों की कमान संभालेंगी. उनका यह नेतृत्व न सिर्फ ष्ट्रक्रक्क्स्न के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगा, बल्कि यह संदेश भी देगा कि भारतीय सुरक्षा बलों में नेतृत्व योग्यता और मेहनत के आधार पर तय होता है।

सिमरन बाला जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के नौशेरा क्षेत्र की रहने वाली हैं, जो लाइन ऑफ कंट्रोल के बेहद करीब है. सीमावर्ती इलाके में पली-बढ़ी सिमरन ने बचपन से ही अनुशासन, संघर्ष और देशसेवा को करीब से देखा है। यही अनुभव उनके व्यक्तित्व और सोच में झलकता है। गणतंत्र दिवस परेड के लिए सिमरन बाला का चयन आसान नहीं था. उन्हें कठोर परेड रिहर्सल, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता के कई दौर से गुजरना पड़ा. अपने शानदार प्रदर्शन और आत्मविश्वास से उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों का भरोसा जीता, जिसके बाद उन्हें यह ऐतिहासिक जिम्मेदारी सौंपी गई। इंडिया गेट के पास जब सिमरन बाला अपनी टुकड़ी का नेतृत्व करेंगी, तो यह सिर्फ एक परेड नहीं होगी, बल्कि लाखों युवतियों के लिए प्रेरणा का क्षण होगा. उनका यह कदम साबित करता है कि आज की महिलाएं सिर्फ वर्दी पहन ही नहीं रहीं, बल्कि आगे बढ़कर नेतृत्व भी कर रही हैं. सिमरन बाला की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को यह संदेश देती है कि अगर हौसले मजबूत हों और लक्ष्य साफ हो, तो कोई भी सपना असंभव नहीं।सिमरन बाला जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर के एक सीमावर्ती गांव से ताल्लुक रखती हैं।

केरल कांग्रेस में अंदरूनी कलह, शशि थरूर ने नेतृत्व की अनदेखी पर जताया असंतोष

नई दिल्ली/कोझिकोड ■ एजेंसी

केरल में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की इकाई में एक बार फिर अंदरूनी कलह सामने आ गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और त्रिवेंद्रम से सांसद डॉ. शशि थरूर ने पार्टी हाईकमान द्वारा उनके साथ किए गए व्यवहार पर खुलकर नाराजगी जताई है। यह विवाद 19 जनवरी, 2026 को कोच्चि में आयोजित 'महा पंचायत' कार्यक्रम से शुरू हुआ, जहां लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मंच पर आने के बाद थरूर को अपना भाषण छोटा करना पड़ा। वहीं, राहुल गांधी ने अपने संबोधन में थरूर का नाम तक नहीं लिया, जबकि अन्य कई नेताओं का जिक्र किया। कोझिकोड में शनिवार को मीडिया से बातचीत में शशि थरूर ने कहा कि उन्होंने अपनी शिकायतें पार्टी नेतृत्व को पहले ही लिखित रूप में सौंप दी हैं।

सारंडा में नक्सली आत्मसमर्पण करें या कड़े प्रहार के लिए रहें तैयार : डीजीपी

पश्चिमी सिंहभूम ■ एजेंसी

झारखंड के दुर्गम सारंडा जंगल क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी के बाद पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदशा मिश्रा ने कहा है कि सारंडा बहुत जल्द पूरी तरह नक्सल मुक्त हो जाएगा। चाईबासा में शनिवार को आयोजित विशेष प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डीजीपी ने इसे राज्य की आंतरिक सुरक्षा के लिहाज से अबतक की सबसे बड़ी और निर्णायक सफलता करार दिया।

डीजीपी तदशा मिश्रा ने बताया कि यह कार्रवाई केवल एक मुठभेड़ तक सीमित नहीं थी, बल्कि नक्सली संगठनों के शीर्ष नेतृत्व और उनके पूरे नेटवर्क पर सीधा और रणनीतिक प्रहार था। खुफिया एजेंसियों से प्राप्त ठोस जानकारी के आधार पर छोटानागरा थाना क्षेत्र के कुमडीह और बहवा इलाकों में सुरक्षा बलों ने व्यापक घेराबंदी की थी। 22 और 23 जनवरी की रात से शुरू हुई इस कार्रवाई में कई दौर की मुठभेड़ हुई, जिसमें झारखंड पुलिस, कोबरा बटालियन और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने संयुक्त रूप से मोर्चा संभाला।

डीजीपी ने बताया कि इस ऑपरेशन में एक करोड़ के इनामी कुख्यात नक्सली अनल उर्फ पतिराम मांझी और 25 लाख के इनामी अनमोल का सफाया हुआ, जो नक्सली संगठनों के लिए भारी झटका है। उन्होंने जवानों की साहसिक और अनुशासित कार्रवाई को राज्य के लिए गर्व का क्षण बताया।

डीजीपी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नक्सलियों के पास अब केवल दो ही विकल्प बचे हैं, आत्मसमर्पण या कानून के कड़े प्रहार के लिए तैयार रहना। उन्होंने बताया कि इस अभियान में अब तक 17 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। सुरक्षा बलों ने बड़ी मात्रा में अत्याधुनिक हथियार, जिनमें एके-47 और इंसास राइफलें शामिल हैं, भी जब्त की हैं। मारे गए प्रमुख नक्सलियों में अनल (सीसीएम), अनमोल (बीजेएसएसी), अमित मुंडा (आरसीएम), पिंटू लोहरा और लालजीत जैसे नाम शामिल हैं।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला पहुंचीं नई दिल्ली, जीतिन प्रसाद ने किया स्वागत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भारत के राजकीय दौरे पर नई दिल्ली पहुंच गई हैं। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने उनक स्वागत किया। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा भी यहां जल्दी ही पहुंचेंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में कहा कि राजकीय यात्रा पर आयीं यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन का भारत में स्वागत है। यह दौरा भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी के नए चरण की शुरुआत है। भारत और यूरोपीय संघ दुनिया की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं हैं, जिनकी साझेदारी आपसी विश्वास और साझा मूल्यों पर आधारित है। उल्लेखनीय है कि इतिहास में पहली बार यूरोपीय संघ के नेता भारत के 77वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर ईयू का एक सैन्य दस्ता भी पहली बार कर्तव्य पथ पर परेड करेगा। 27 जनवरी को होने वाले 16वें भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

यह समझौता लगभग 2 अरब लोगों का विशाल बाजार खोलेगा, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग एक-चौथाई हिस्सा है। इससे भारतीय टेक्सटाइल, ज्वेलरी और आईटी सेक्टर को यूरोप में व्यापक पहुंच मिलेगी। इससे पहले शनिवार सुबह यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास दिल्ली पहुंची थीं। वह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ मिलकर एक भारत-ईयू सुरक्षा और रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करेंगी, जिसमें समुद्री सुरक्षा, साइबर डिफेंस और आतंकवाद विरोधी अभियानों में 'इंटेलीजेंस शेयरिंग' शामिल होगा। मोबिलिटी फ्रेमवर्क पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिससे भारतीयों के लिए यूरोप में काम करने के कानूनी रास्ते और आसान हो जाएंगे।

मेला क्षेत्र नो व्हीकल जोन घोषित

अचला सप्तमी पर 40-50 लाख श्रद्धालुओं के स्नान का अनुमान

प्रयागराज ■ एजेंसी

अचला सप्तमी पर प्रयागराज में 40 से 50 लाख श्रद्धालुओं के स्नान करने का अनुमान है। संगम समेत 24 से अधिक घाटों पर भारी भीड़ की संभावना है। मेला क्षेत्र नो व्हीकल जोन घोषित किया गया है।

अचला सप्तमी के पावन अवसर पर संगम सहित गंगा-यमुना के 24 से अधिक घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है। मेला प्रशासन ने अनुमान जताया है कि इस दौरान 40 से 50 लाख श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाएंगे। वसंत पंचमी पर आए लाखों श्रद्धालु अभी भी मेला क्षेत्र के शिविरों में ठहरे हुए हैं, जो अचला सप्तमी स्नान के बाद वापसी करेंगे।

श्रद्धालुओं के साथ स्थानीय लोगों की बढ़ती आवाजाही से भीड़ प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बन सकता है। इसे देखते हुए प्रशासन ने शनिवार को मेला क्षेत्र को नो व्हीकल जोन बनाने की व्यवस्था की है। निर्धारित समय के बाद मेला क्षेत्र में किसी भी प्रकार के वाहन के प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। मेलाधिकारी ऋषिराज के अनुसार अचला सप्तमी पर महाराष्ट्र, बिहार, नेपाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित प्रदेश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए व्यापक तैयारियां की गई हैं। उन्होंने बताया कि 40 से 50 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। अचला सप्तमी पर भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए पुलिस पूरी तरह सक्रिय हो गई है। मेला क्षेत्र रविवार सुबह चार बजे से नो व्हीकल जोन में तब्दील हो जाएगा। एसपी नीरज पांडेय के अनुसार केवल एंबुलेंस और आपातकालीन वाहनों को ही आवागमन की अनुमति होगी। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे अपने वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें। पांटून पुल संख्या एक और दो को रिजर्व रखा गया है। हिंदू धर्म में सप्तमी तिथि का विशेष महत्व है। माघ मास की सप्तमी को अचला सप्तमी कहा जाता है। इस दिन सूर्यदेव की विधिवत पूजा की जाती है। 25 जनवरी को श्रद्धालु अचला सप्तमी का व्रत भी रखेंगे। शास्त्रों के अनुसार इस व्रत में मसूर की दाल, गाजर और किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ के सेवन की मनाही है। वहीं, शनिवार को भी संगम तट पर आस्था, विश्वास और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में पुण्य स्नान कर दीपदान किया। हालांकि, कोहरे व धुंध के कारण श्रद्धालुओं को सूर्यदेव के साफ दर्शन नहीं हो सके।

प्लॉट नंबर-17 पार्किंग -श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल काली मार्ग से अपर संगम मार्ग, संगम स्नान घाट, हनुमान घाट व रामघाट पर जा सकेंगे। स्नान के बाद श्रद्धालु अक्षयवट खड़ंजा मार्ग से त्रिवेणी वापसी मार्ग होते हुए पार्किंग स्थल तक पहुंच सकेंगे।

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के 41 ऐसे गांव, जहां अब तक राष्ट्रीय पर्व नही मनाया गया, वहां इस 26 जनवरी को पहली बार तिरंगा फहराया जाएगा। बीते एक साल में नक्सलियों के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले इलाकों में सुरक्षाबलों ने 58 नए सुरक्षा और सुविधा कैंप स्थापित किए हैं। इनमें से 53 कैंप ऐसे हैं, जहां पहले एक बार गणतंत्र दिवस मनाया जा चुका है जबकि 41 कैंप यानी गांव ऐसे हैं, जहां पहली बार कोई राष्ट्रीय पर्व मनाया जाएगा। (एक कैंप यानी एक गांव में स्थापित है) इन्हीं सुरक्षा और सुविधा कैंपों की मजबूत मौजूदगी से जिन गांवों में कभी 26 जनवरी को घरों के दरवाजे बंद रहते थे, वहां अब खुलकर गणतंत्र दिवस की तैयारी हो रही है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि बस्तर का लगभग 95 प्रतिशत इलाका अब नक्सल हिंसा से मुक्त हो गया है।

गणतंत्र दिवस

झांकियों में दिखेगी मध्यप्रदेश की संस्कृति

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के लिए सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर 22 विभागों की झांकियां प्रस्तुत की जाएगी। जिसमें गृह विभाग की झांकी में डायल 112 सेवा और शहीद स्मारक दिखाया जाएगा। इसके साथ ही अन्य विभागों की झांकियों में मध्य प्रदेश की कला और संस्कृति देखने को मिलेगी। वहीं, इस बार परेड में 3 केंद्रीय सशस्त्र बलों की टुकड़ियां भी शामिल होंगी। जिसमें आईटीबीपी, सीआरपीएफ और सीआईएसएफ की प्लाटून शामिल हैं।

गणतंत्र दिवस परेडः पहली बार सेना के बाज-डॉग्स की परेड...

कमान भोपाल की कैप्टन हर्षिता के हाथ

भोपाल। गणतंत्र दिवस परेड में इस बार कर्तव्य पथ पर एक अलग ही दृश्य देखने को मिलेगा। जब ज़ांस्कर पोनी, बैक्ट्रियन ऊंट, रैप्टर्स (बाज) और आर्मी डॉग्स कदमताल करेंगे। उनकी कमान भोपाल की कैप्टन हर्षिता राघव के हाथों में होगी। हर्षिता इस वर्ष रिमाउंट एंड वेटरनरी कॉर्प्स (आरवीसी) के कंटिंजेंट की कमांडर हैं और सेना के जानवरों की इस विशेष टुकड़ी का नेतृत्व कर रही हैं। आरवीसी भारतीय सेना की वह विशिष्ट शाखा है, जो सेना में उपयोग होने वाले जानवरों के प्रशिक्षण, स्वास्थ्य देखभाल और ऑपरेशनल तैयारियों की जिम्मेदारी संभालती है। यह कोर कठिन भौगोलिक परिस्थितियों- जैसे ऊंचे पहाड़, रेगिस्तानी इलाके और दुर्गम सीमावर्ती क्षेत्रों में सेना की ताकत को मजबूती देता है। सेना की इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए वे आरवीसी में महिला अफसरों की शुरुआती बैच का हिस्सा हैं। लंबे समय तक पुरुष-प्रधान माने जाने वाले इस कोर में उनका नेतृत्व अपने आप में अहम माना जा रहा है। बता दें कि सेना के जानवर पहले भी गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा रहे हैं, पर इस बार उन्हें एक संगठित और विशेष रूप से तैयार किए गए कंटिंजेंट के तौर पर पेश किया जा रहा है।

24 घंटे में 9 डिग्री तक लुढ़का पारा

कड़ाके की ठंड के साथ कोहरे ने बढ़ाई मुसीबत

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश में प्रभावी पश्चिमी विक्षोभ और उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं ने एक बार फिर ठिठुरन बढ़ा दी है। प्रदेश के कई हिस्सों में बादलों की आवाजाही और उत्तरी हवाओं की सक्रियता के कारण दिन और रात के तापमान में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। आलम यह है कि महज 24 घंटे के भीतर कई शहरों में दिन का पारा 9 डिग्री तक लुढ़क गया है, जिससे लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए हैं।

मध्यप्रदेश में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और जेट स्ट्रीम के प्रभाव ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया है। उत्तर भारत की ओर से आ रही नमी युक्त हवाओं के कारण प्रदेश के न्यूनतम और अधिकतम तापमान में भारी कमी आई है। वहीं, प्रदेश के कई अन्य शहरों में भी 5 से 9 डिग्री तक की गिरावट देखी गई है। बीते 24 घंटों में प्रदेश का सबसे कम न्यूनतम तापमान राजगढ़ में 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ग्वालियर-चंबल संभाग में हल्की बारिश ने नमी बढ़ा दी है। दतिया में 1.0 मिलीमीटर और भिंड में 0.2 मिलीमीटर वर्षा हुई है, जिसके बाद इन इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। कोहरे के कारण सुबह के समय दृश्यता काफी कम रही, जिससे यातायात पर भी असर पड़ा। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, वर्तमान में जम्मू और पाकिस्तान के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।

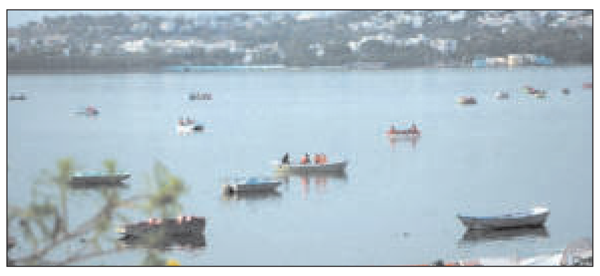

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।